RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:62 ता. 01 सितम्बर 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

घर-घर विराजे गणपति, 10 दिनों तक मचेगी गणपति उत्सव की धूम

मुंबई। महाराष्ट्र का सबसे बड़ा त्यौहार है गणेश उत्सव बुधवार से शुरू हुआ. मुंबई तथा इससे सटे उपनगरों में बड़े ही भक्ति भाव के साथ गणेश भक्तों द्वारा अपने प्रिय बाप्पा की पूजा अर्चना की जा रही है. आपको बता दें कि गणेशोत्सव का ये त्योहार महाराष्ट्र खासकर मुंबई और ठाणे जिले में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है. मुंबई में सिद्धिविनायक मंदिर में आरती की गई. वहीं, कोरोना काल के चलते दो साल बाद इस बार धूम धाम से त्योहार मनाया जा रहा है. उधर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सरकारी आवास पर गणपति बप्पा भी विराजे. इस मौके पर एकनाथ शिंदे खुद मौजूद रहे और पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई. इस दौरान सीएम शिंदे के साथ उनका परिवार भी इस दौरान मौजूद रहा. परिवार के सभी सदस्यों ने गणपति बप्पा के साथ तस्वीर खिंचवाईं. वहीं भक्तों द्वारा गणपति का अपने घर में 10 दिनों तक यथाशक्ति सत्कार, सेवा और पूजा के बाद आज डेढ़ दिन के गणपति का विसर्जन किया जाएगा. दरअसल कई लोग गणेश चतुर्थी के अगले दिन भी गणेश विसर्जन करते हैं, जिसे डेढ़ दिन के गणपति का विसर्जन कहा जाता है. लेकिन अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति विजर्सन की परंपरा सबसे ज्यादा प्रचलित है. गणेश चतुर्थी के 10 दिन बाद यानी कि 11वें दिन अनंत चतुर्दशी का त्योहार होता है और इस दिन धूमधाम से गणपति विसर्जन किया जाता है. हिंदू पंचांग के मुतबिक अनंत चतुर्दशी हर साल भादो माह शुक्ल पक्ष की चौदस यानी कि 14वें दिन मनाई जाती है. गणेश चतुर्थी के 10 दिन बाद 11वें दिन अनंत चतुर्दशी आती है और इसी दिन विधि-विधान से गणेश विसर्जन किया जाता है

Ladakh: 16,000 फुट से ज्यादा ऊंचाई पर फंसा इजराइली नागरिक, बर्फीली घाटी में रेस्क्यू कर वायुसेना ने ऐसे बचाई जान

(एजेंसी): भारतीय वायु सेना ने बुधवार को एक इजराइली नागरिक को बचाया जो लद्दाख में मरखा घाटी के पास 16,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर फंस गया था। श्रीनगर में एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि 114 हेलीकॉप्टर यूनिट को 31 अगस्त 2022 को मरखा घाटी के पास निमालिंग शिविर से आपात स्थिति में किसी को निकालने के लिए कहा गया था। इजराइली नागरिक अतर कहाना अत्यधिक ऊंचाई पर उल्टी आने और ऑक्सीजन स्तर कम होने जैसी समस्याओं से जूझ रहा था।'' उन्होंने बताया कि विमान चालक दल संख्या 1 के रूप में विंग कमांडर आशीष कपूर और फ्लाइट लेफ्टिनेंट रिदम मेहरा तथा विमान चालक दल संख्या 2 के रूप में स्क्वाड्रन लीडर नेहा सिंह तथा स्क्वाड्रन लीडर अजिंक्य खेर ने कुछ ही मिनट में इस मिशन के लिए उड़ान भरी। प्रवक्ता ने कहा कि विमान सबसे कम दूरी तय करके 20 मिनट की उड़ान भर कर मौके पर पहुंचा और 16,800 फुट की ऊंचाई पर गोंगमारू ला दर्रे पर फंसे हुए यात्री को देखा। उन्होंने बताया कि वायु सेना केंद्र लेह पर एक घंटे के अंदर व्यक्ति को सुरक्षित लाया गया।

सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ देश को आज मिलेगी पहली स्वदेशी वैक्सीन

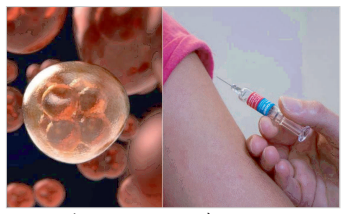

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ लड़ाई के लिए भारत को पहली स्वदेशी वैक्सीन मिल रही है। 1 सितंबर को सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ पहली वैक्सीन को लांच किया जाएगा। इस वैक्सीन को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने तैयार किया है। सीरम इंस्टीट्यूट और बायोटेक्नोलॉजी विभाग की ओर से इस लांच किया जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ भारत के पहले क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस वैक्सीन को मार्केट ऑथराइजेशन के लिए ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने हाल ही में मंजूरी दी थी। एचपीवी वैक्सीन का उद्देश्य महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाना है। सर्वाइकल कैंसर से देश में हर आठ मिनट में एक महिला की मौत हो जाती है। इस बीमारी को रोका जा सकता है, लेकिन यह तभी संभव है, जब इसका पता जल्दी चल सके। और पता लगने के साथ ही इस सही तरीके से मैनेज किया जाए। फिलहाल दुनियाभर में सर्वाइकल कैंसर की दो वैक्सीन हैं। इसमें पहली है, क्वाड्रिवेलेंट वैक्सीन और दूसरी है बाइवेलेंट वैक्सीन। जो वैक्सीन सीरम ने तैयार की है। वह हेपेटाइटिस बी वैक्सीन के समान वीएलपी पर आधारित है। डॉक्टरों का कहना है कि इस वैक्सीन के आने से सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में मदद मिलेगी और इस कैंसर से होने वाली मौतों को कम किया जा सकेगा। वर्तमान में भारत में विश्व स्तर पर लाइसेंस प्राप्त दो वैक्सीन उपलब्ध हैं। पहला है क्वाड्रिवेलेंट वैक्सीन और दूसरा है, बाइवेलेंट वैक्सीन है। क्वाड्रिवेलेंट वैक्सीन की कीमत 2,800 रुपए प्रति खुराक है। और बाइवेलेंट वैक्सीन की कीमत 3,299 रुपए प्रति खुराक है। नई वैक्सीन हेपेटाइटिस बी वैक्सीन के समान वीएलपी पर आधारित है। यह एचपीवी वायरस के एल 1 प्रोटीन के खिलाफ एंटीबॉडी उत्पन्न करके सुरक्षा प्रदान करता है। फिलहाल इसकी कीमत को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। दुनिया भर में सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे कॉमन कैंसर है। यह 15 से 44 वर्ष की महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों का दूसरा सबसे कॉमन कारण है। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के मुताबिक भारत में सर्वाइकल कैंसर के 1.23 लाख मामले प्रति वर्ष आते हैं। इसमें लगभग 67,000 महिलाओं की मौत हो जाती है। सर्वाइकल कैंसर के मामलों में भारत का पांचवां स्थान है।

तैयारी 2024 की...!

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को ऐतिहासिक बनाने में जुटी कांग्रेस

(एजेंसी)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के 24 अक्टूबर को तेलंगाना पहुंचने की उम्मीद है। राहुल गांधी राज्य में करीब 366 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं यात्रा के लिए तेलंगाना के समन्वयक बलराम नाइक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में पैदल मार्च महबूबनगर जिले के मकथल से शुरू होगा और चार लोकसभा क्षेत्रों और नौ विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। नाइक ने बताया पार्टी के आलाकमान को जल्द ही यात्रा के निकलने के मार्ग का अंतिम मसौदा सौंपा जाएगा। हालांकि, इसमें कुछ बदलाव हो सकते हैं क्योंकि मार्च के राज्य में 15 दिन तक जारी रहने की उम्मीद है। नाइक ने कहा, '' यात्रा 24 अक्टूबर को तेलंगाना में प्रवेश करेगी। इसमें चार लोकसभा क्षेत्र और नौ विधानसभा क्षेत्र शामिल होंगे। कुल 366 किलोमीटर दूरी तय की जाएगी।'' तेलंगाना कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि यात्रा से 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के राहुल गांधी के साथ मार्च करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी तेलंगाना में अपनी यात्रा जुक्कल जिले में समाप्त कर सकते हैं और फिर वह महाराष्ट्र में प्रवेश करेंगे। कांग्रेस ने सोमवार को कहा था कि सात सितंबर से 3,500 किलोमीटर की 150 दिवसीय 'भारत जोड़ो यात्रा' पार्टी का अभी तक सबसे बड़ा जनसंपर्क कार्यक्रम होगा और राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक पूरे रास्ते पैदल चलेंगे।

सरकारी खजाने से 1 रुपया भी खर्च नहीं करते PM Modi! RTI में हुए चौंकाने वाले खुलासे

(एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लाइफस्टाईल को लेकर आरटीआइ (RTI) में कई अहम खुलासे हुए। दरअसल, प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के केंद्रीय अवर सचिव बिनोद बिहारी सिंह ने बताया कि पीएम मोदी सरकारी पैसे से नहीं बल्कि अपने पैसे से खाना खाते है। सिंह ने इसे आरटीआई के जवाब में जानकारी दी। इस आरटीआई में पीएम मोदी के वेतन के बारे में बताया गया है। पीएम मोदी को लेकर एक आरटीआई फाइल की गई थी जिसमें उनके खाने-पीने, रहने, वाहन और वेतन के बारे में पूछा गया था। इस आरटीआई का जवाब देते हुए बिनोद बिहारी सिंह ने बताया कि पीएम मोदी के खान-पान पर एक रूपया भी सरकारी खजाना से खर्च नहीं होता है। वे अपने खाने के खर्चे खुद उठाते है। इसके साथ ही सिंह ने बताया कि पीएम आवास का देखरेख केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के द्वारा किया जाता है। साथ ही उनकी गाड़ियों के देखरेख एसपीजी (SPG) करती है। जानकारी के लिए बता दें कि संसद पहुंचे नेताओं को सरकार की तरफ से कई सुविधाएं दी जाती है जिसका सारा खर्च सरकारी खजाने से होता है। ऐसे में पीएम मोदी यह सारा खर्चा अपनी सैलरी से करते है।

सोनिया गांधी की मां पाओला माइनो का इटली में निधन, मंगलवार को हुआ अंतिम संस्कार

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की मां पाओला माइनो का निधन हो गया है। उनका इटली में शनिवार 27 अगस्त को निधन हुआ और मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। फिलहाल सोनिया गांधी भी विदेश में हैं। कांग्रेस के सीनियर नेता जयराम रमेश ने भी सोनिया की मां के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। सोनिया गांधी 24 अगस्त को ही देश से बाहर अपने इलाज के लिए गई थीं। उनके साथ प्रियंका गांधी और राहुल गांधी भी गए थे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया था कि इस दौरान वह अपनी बीमार मां का हाल जानने के लिए भी जाएगी और उसके बाद ही दिल्ली लौटेंगी। इसका अर्थ है कि मां के निधन से पहले शायद सोनिया गांधी ने उनसे मुलाकात की थी और उनका हालचाल जाना था। हालांकि अब तक सोनिया गांधी की मां की मौत और उनके अंतिम संस्कार के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

केजरीवाल पर बरसे मनोज तिवारी, बोले-

आप के भ्रष्टाचार गैंग की भूख नहीं मिट रही

(एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के उन आरोपों की फॉरेंसिक जांच कराने की मांग की, जिनमें उनकी ओर से दावा किया गया था कि राजधानी की प्रमुख विपक्षी पार्टी ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को पाला बदलने के लिए रूपयों की पेशकश की थी। दिल्ली के सात भाजपा सांसदों ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना को इस संबंध में एक पत्र लिखा और उचित कदम उठाने का आग्रह किया है। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि तिवारी ने कहा आप के भ्रष्टाचार गैंग की भूख नहीं मिट रही है। आबकारी नीति और स्कूली कक्षाओं के निर्माण में हुए कथित घोटालों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए आप के नेता ''दुर्भावनापूर्ण, झूठे और गुमराह करने वाले'' आरोप लगा रहे हैं। तिवारी ने कहा, ''अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि आप के विधायकों को खरीदने की कोशिश की गई और इस सिलसिले में फोन आया था। अगर किसी का फोन आता है तो वह छिप नहीं सकता। हम भाजपा के सांसद चाहते हैं कि केजरीवाल स्पष्ट करें कि फोन किसका आया था और किसके पास आया था।'' उन्होंने कहा, ''इसकी जब तक जांच नहीं होगी, तब तक हम सत्य तक नहीं पहुंच पाएंगे। इसकी फॉरेंसिक जांच होनी चाहिए। हमारी मांग है कि इस सिलसिले में जिनको-जिनको फोन आया है, उन सभी लोगों के फोन जांच एजेंसी को लेना चाहिए और इसकी जांच होनी चाहिए।'' उल्लेखनीय है कि आप नेताओं ने आरोप लगाए थे भाजपा ने उसके विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 - 20 करोड़ रूपये की पेशकश की थी।

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 14 मिनट में जीवित हृदय को अस्पताल पहुंचाया

नई दिल्ली । मेडिकल इंटेलिजेंस की एक आश्चर्यजनक घटना देखने को मिली, एम्स दिल्ली' से फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट' तक एक ग्रीन कॉरिडोर ने केवल 14 मिनट में एक जीवित हृदय को सफलतापूर्वक हॉस्पिटल पहुंचाया। एक व्यस्त यातायात समय के दौरान एक हॉस्पिटल से दूसरे हॉस्पिटल की दूरी 9.2 किलोमीटर की थी फिर भी ग्रीन कॉरिडोर ने हृदय को सही समय के भीतर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट (एफईएचआई), ओखला में एक 19 वर्षीय लड़के में एक 55 वर्षीय वृद्ध महिला का हृदय 'ट्रांसप्लांट' किया जाना था। डॉक्टरों की टीम को पहले से ही राष्ट्रीय अंग ऊतक प्रत्यारोपण संगठन द्वारा एम्स दिल्ली में एक हार्ट डोनर के बारे में जानकारी दी गयी थी। डॉक्टर्स की टीम हार्ट लेने के लिए 'एम्स दिल्ली हॉस्पिटल' के लिए रवाना हुई थी। 5:48 शाम को डोनर का हार्ट लेकर वापस 'फोर्टिस हॉस्पिटल' के लिए निकले और 6 बजे हॉस्पिटल पहुंच गए। ट्रैफिक होने के बावजूद एंबुलेंस ने 14 मिनट में 9.2 किलोमीटर की दूरी तय की। डॉक्टर्स ने बताया कि 19 वर्षीय लड़का पिछले 1.5 साल से हार्ट की बीमारी से जूझ रहा था। हालात क्रिटिकल है। सर्जरी सफल हो गई है, शायद नई जिंदगी मिल सकती है।

मोदी सरकार के खिलाफ किसान हो रहे लामबंद, किसान आंदोलन को लेकर 4 सिंतबर को अहम बैठक

भिवानी । (एजेंसी)

बीते साल हुए किसान आंदोलन को देश अभी भूला नहीं है। आंदोलन को फिर शुरू करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा के नेता फिर सक्रिय हो गए हैं। इस बार आंदोलन को तेज धार देने के लिए किसान नेता युद्धवीर सिंह भिवानी पहुंचकर युवाओं की बैठक ली। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन को शुरू करने के लिए एसकेएम चार सितंबर को बड़ा फैसला लेगा।

बता दें कि भले ही पीएम मोदी तीन कृषि कानून वापस ले चुके हों। लेकिन किसान नेता एमएसपी की गारंटी कानून व किसान आंदोलन में बने केस वापसी की मांग को लेकर एक बार फिर आंदोलन शुरू करने की पूरी तैयारी में हैं। इस बार आंदोलन को और तेज धार देने के लिए किसान नेता युवाओं को लामबंद कर रहे है।

संयुक्त किसान मोर्चा के किसान नेता सिंह ने बताया कि उन्होंने आंदोलन रद्द नहीं, स्थगित किया था। अब समय आ गया है कि उस आंदोलन को फिर से शुरू किया जाए।

इस लेकर चार सितंबर को संयुक्त किसान मोर्चा के नेता बड़ा फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि कानून वापसी के दौरान एमएसपी की गारंटी, केस वापसी व बिजली बिल को लेकर वादा किया था जो आज तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि एमएसपी के बिना किसान जिंदा नहीं रह सकता। आज एमएसपी को लेकर जो कमेटी काम कर रही है, उसके चेयरमैन व सदस्य सभी एमएसपी व किसान आंदोलन के विरोधी हैं, जो एमएसपी की बजाय अन्य विषयों पर चर्चा कर रहे हैं। यही नहीं, युद्धवीर सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार मंडी नहीं बेच पाई, तब गोदाम बेच रही है।

मुख्तार अब्बास नकवी बोले-

'एक देश-एक चुनाव' आज वक्त की जरूरत

(एजेंसी)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने बुधवार को कहा कि 'एक देश-एक चुनाव' आज वक्त की जरूरत है और सभी राजनीतिक दलों को इस दिशा में ÷राजनीतिक पूर्वाग्रह÷ छोड़कर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उत्तर प्रदेश के रामपुर में पत्रकारों से बातचीत में नकवी ने यह भी कहा कि देश को इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार की दिशा में खुली सोच के साथ राजनीतिक हितों से ऊपर, राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देनी होगी। नकवी ने कहा, '' देश में हर छह महीने में कहीं न कहीं कोई चुनाव होते हैं और राजनीतिक पार्टियां हर समय में चुनाव मशीन बन जाती हैं। इससे जहां एक तरफ जन धन की बर्बादी होती है, वहीं दूसरी तरफ विकास कार्यों में बाधा पहुंचती है। साथ ही इससे लोगों में चुनावों के प्रति बढ़ती उदासीनता के चलते यह ''लोकतंत्र के पर्व'' को फीका बना रहा है।' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'एक देश-एक चुनाव' के लिए कई बार आह्वान कर चुके हैं, लेकिन कुछ राजनीतिक दलों का रवैया इस विषय पर उदासीन और नकारात्मक रहा है।जनता चाहती है कि लगातार चुनावी चक्रव्यूह के चक्कर से बाहर निकले और 'एक देश-एक चुनाव' की व्यवस्था लागू हो।'' नकवी के अनुसार, लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने से ना केवल बेतहाशा जन धन की बर्बादी रुकेगी, वहीं बार-बार चुनावी प्रक्रिया और बंदिशों से विभिन्न विकास कार्यों में जो बाधा होती है वह भी खत्म हो सकेगी।

सार समाचार

भारत में हर दिन 90 नाबालिग लड़कियों के साथ होता है रेप, इसमें मप्र में सबसे आगे

-एनसीआरबी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली । राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल देश में हर दिन कम से कम 90 नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार किया गया। ये मामले भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और धारा 4 (पेनेट्रेटिव यौन हमले के लिए सजा) और 6 (गंभीर यौन उत्पीड़न के लिए सजा) के तहत यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज किए गए हैं। एनसीआरबी के हवाले से कहा गया है कि 2021 में देश भर में 33,186 नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार किया गया था। 3,522 नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण की रिपोर्ट करने में मध्य प्रदेश शीर्ष पर था। उसके बाद महाराष्ट्र में 3,480, तमिलनाडु में 3,435 और उत्तर प्रदेश में 2,749 थे। ऐसी 2,093 घटनाओं के साथ कर्नाटक पांचवें स्थान पर रहा। कर्नाटक में 2021 में हर दिन कम से कम पांच नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ था। देश में पिछले साल कुल 312 नाबालिग लड़कों के साथ बलात्कार किया गया था। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक मामले 96 थे, इसके बाद केरल में 74, हरियाणा में 61, तमिलनाडु में 34, पश्चिम बंगाल में 22 और उत्तराखंड में 8 थे। कर्नाटक में चार लड़कों के साथ भी रेप का मामला सामने आया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि नाबालिग लड़कियों और बाल विवाह से जुड़े मामलों को भी पोक्सो मामलों के रूप में माना जाता है और आरोपी पर बलात्कार का मामला दर्ज किया जाता है। अधिकारी ने कहा कि पॉक्सो मामलों में 99 प्रतिशत से अधिक आरोपी पीड़िता के परिचित थे। मध्य प्रदेश की बात करें तो साल 2020 की तुलना में साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध में एक फीसदी का इजाफा हुआ है। साल 2020 में कुल महिला अपराध 25640 हुए थे, जबकि सन 2021 में 30673 अपराध सामने आए। बच्चियों से रेप और पाक्सो एक्ट में देश में मध्य प्रदेश नंबर वन पर है। वहीं टोटल महिला अपराध में यह छठवें नंबर पर है।

भारत जलवायु संकट का समाधान करने का इरादा दिखा रहा है: यादव

नई दिल्ली । केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि भारत वैश्विक उत्सर्जन के लिए पारंपरिक रूप से जिम्मेदार नहीं होने के बावजूद समस्या का समाधान करने वाले देश के तौर पर अपना इरादा दिखा रहा है। यादव ने पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के मामलों पर चर्चा के लिए इंडोनेशिया के बाली में शुरू हुई जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक में कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकसित देशों से मिल रही वित्तीय मदद की गति एवं पैमाना वैश्विक महत्वाकांक्षा से मेल नहीं खाता। उन्होंने कहा ?कि हालांकि भारत वैश्विक उत्सर्जन के लिए पारंपरिक रूप से जिम्मेदार नहीं रहा है, हम अपने कार्यों से समस्या सुलझाने का इरादा दिखा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का सर्वाधिक असर उन गरीब एवं कमजोर देशों पर पड़ रहा है, जो जलवायु संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं और जिनके पास यथास्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बदलने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी, क्षमता और वित्त का अभाव है। उन्होंने कहा ?कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्त मुहैया कराने का वादा मृगतृष्णा बना हुआ है। इसके अलावा विकास के लिए वित्त को जलवायु परिवर्तन के लिए मुहैया कराए जाने वाले वित्त के साथ जोड़ने से समस्या बढ़ गई है।

सोनिया गांधी की मां का निधन, इटली में हुआ था अंतिम संस्कार

नई दिल्ली । 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन को पाने की कोशिश में लगी है। इसी बीच कांग्रेस के शीर्ष लीडरशिप को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। सोनिया गांधी की मां और राहुल गांधी की नानी का निधन हो गया है। कल इटली में उनका अंतिम संस्कार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 27 अगस्त को ही सोनिया गांधी की मां का निधन हुआ है। सोनिया गांधी के बीते दिनों विदेश यात्रा पर जाने की खबर सामने आई थी। उस वक्त कांग्रेस नेता जयराम रमेश की तरफ से कहा गया था कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी मेडिकल जांच के लिए विदेश जा रही हैं। वह नई दिल्ली लौटने से पहले अपनी बीमार मां से भी मिलेंगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए कहा कि सोनिया गांधी की मां पाओला माइनो का शनिवार 27 अगस्त, 2022 को इटली में उनके घर पर निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार कल हुआ। राहुल गांधी की नानी इटली में रहती हैं। राहुल गांधी की नानी का नाम पउलो माइनो है। वह 94 वर्ष की थीं। बता दें कि कांग्रेस की महंगाई पर हल्ला बोल रैली चार सितंबर को होनी है जोकि राहुल गांधी संबोधित करेंगे। गांधी परिवार के विदेश से लौट आने की संभावना जताई जा रही थी। लेकिन अब ये खबर सामने आने के बाद रैली को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

असम के 'जिहादी' मदरसे पर चला हिमंत सरकार का बुलडोजर, संदिग्ध आतंकी से जुड़ा है कनेक्शन

नई दिल्ली । असम की चर्चा इन दिनों अवैध मदरसों पर हो रही कार्रवाई को लेकर खूब हो रही है। जिस मदरसे पर ताजा कार्रवाई हुई उसका कनेक्शन आतंकियों से था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है। इसके साथ ही असम के बरपेटा जिले में अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के दो बांग्लादेशी सदस्यों को चार साल तक पनाह देने वाले मदरसे पर प्रशासन का बुलडोजर वाला एक्शन देखने को मिला है। मरकाजुल मां आरिफ करियाना मदरसे में 224 बच्चे रहते थे। आधी रात तक बच्चों को यहां से हटाया गया, जिसके बाद इस पर बुलडोजर चला दिया गया। असम पुलिस ने सोरभोग इलाके से अकबर अली और अबुल कलाम नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दोनों का संबंध एक्यूआईएस यानी अलकायदा इंडियन कॉन्टीनेंट और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) नाम के आतंकी संगठनों से था। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी मदरसे की फंडिंग करते थे। इनके पास जो पैसा आता था वो जिहादी गतिविधियों को चलाने के लिए बाहर से आता था। पुलिस ने पूर्व में कहा था कि एबीटी के सदस्य करीब चार साल से मदरसे में रह रहे थे। एबीटी के तार भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा (एक्यूआईएस) से जुड़े हैं। पुलिस ने इस साल मार्च से आतंकियों के साथ संबंधों के आरोप में 40 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है तथा मध्य और निचले असम में अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में कड़ी निगरानी रख रही है। असम में सरकारी फंड से चलने वाले मदरसे अब बंद हो चुके हैं। इसलिए जितने भी मदरसे चल रहे हैं वो प्राइवेट फंडिंग के सहारे चल रहे हैं। जिस मदरसे को तोड़ा गया है वो भी सरकारी जमीन पर बना अवैध मदरसा था। जिसे दो आतंकियों के पैसे से चलाया जा रहा था।

पूर्व भाजपा सांसद के खिलाफ 'सर तन से जुदा' नारा लगाने वाले शख्स को पुलिस ने हिरासत में लिया

हैदराबाद । तेलंगाना पुलिस ने निलंबित भाजपा सांसद राजा सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी का एक वीडियो सामने आने के बाद सैयद अब्दाह कादरी उर्फ कशफ को हिरासत में लिया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निलंबित विधायक राजा सिंह के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक नारे लगाने वाली भीड़ की अगुवाई कर रहे थे जिसका वीडियो वायरल हो गया है। मालूम हो कि हैदराबाद पुलिस ने मंगलवार को कशफ को प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट के तहत कथित तौर पर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दुश्मनी पैदा करने के आरोप में हिरासत में लिया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त के आदेश पर, 27 वर्षीय कशफ को हिरासत में लिया गया और सेंट्रल जेल चंचलगुडा भेज दिया गया। राजा सिंह द्वारा आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के विरोध में, 22 और 23 अगस्त की रात को, कशफ ने कई समर्थकों के साथ बशीरबाग में हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त के कार्यालय के सामने धरना दिया था। मालूम हो कि शहर भर से मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों युवक पुलिस आयुक्त के कार्यालय पर उतरे और धरने में शामिल हुए थे। कशफ को 25 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था और उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया था। हालांकि उसे निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया।

कशफ के खिलाफ कार्रवाई पुलिस द्वारा पीडी एक्ट के तहत राजा सिंह को हिरासत में लेने और उन्हें उसी आरोप में जेल भेजने के चार दिन बाद हुई। पुलिस के अनुसार, कशफ हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और सार्वजनिक शांति भंग करने के इरादे से अपने ट्विटर अकाउंट के माध्यम से सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करता रहा है। गौरतलब है कि राजा सिंह ने पैगंबर मोहम्मद के लिए कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की थी जिसके खिलाफ 22-23 अगस्त की रात को कादरी समेत कई लोगों ने पुलिस आयुक्त के दफ्तर के सामने धरना दिया था और वहां कथित रूप से आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि उनके कृत्यों ने शहर में लोक व्यवस्था को बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डाला।

भाजपा की मांग, पाला बदलने के लिए रुपयों की पेशकश के केजरीवाल के आरोपों की फॉरेंसिक जांच हो

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप)के विधायकों के उन आरोपों की फॉरेंसिक जांच कराने की मांग की, जिनमें उनकी ओर से दावा किया गया था कि राजधानी की प्रमुख विपक्षी पार्टी ने उन्हें पाला बदलने के लिए 20 करोड़ रुपयों की पेशकश की थी। भाजपा ने यह भी कहा कि आरोप लगाने वाले विधायकों का ''लाइ डिटेक्टर टेस्ट'' भी कराया जाना चाहिए। भाजपा मुख्यालय में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी, रमेश बिधूड़ी और प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने आरोप लगाया कि आप का ''भ्रष्टाचार-विरोधी'' पार्टी होने का दावा महज ''नाटक'' है और जांच से उसकी पोल खुल जाएगी।

तिवारी ने कहा कि चूंकि उन्होंने दावा किया है कि भाजपा ने उन्हें 20-20 करोड़ रुपये की पेशकश की है तो यह फॉरेंसिक जांच का विषय है। उन्होंने कहा, ''अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि आप के विधायकों को खरीदने की कोशिश की गई और इस सिलसिले में फोन आया था। अगर किसी का फोन आता है तो वह छिप नहीं सकता। क्यों वह फोन करने वाले के नाम का खुलासा नहीं कर रहे हैं? विधायकों की खरीद-फरोख्त के प्रयासों के खिलाफ वह क्यों कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं ?'' भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के सांसद चाहते हैं कि केजरीवाल स्पष्ट करें कि फोन किसका आया था और किसके पास आया था। उन्होंने कहा, ''इसकी जब तक जांच नहीं होगी, तब तक हम सत्य तक नहीं पहुंच पाएंगे। इसकी फॉरेंसिक जांच होनी चाहिए। हमारी मांग है कि इस सिलसिले में जिनको-जिनको फोन आया है, उन सभी लोगों के फोन जांच एजेंसी को लेना चाहिए और इसकी जांच होनी चाहिए।'' उन्होंने आबकारी नीति को लेकर आप नेताओं पर बार-बार बयान बदलने का भी आरोप लगाया।

वर्मा ने कहा कि आप के विधायकों का ''लाइ डिटेक्टर टेस्ट'' कराया जाना चाहिए ताकि इससे उनके ''भ्रष्टाचार-विरोधी होने के नाटक की पोल खुले''। दिल्ली के सात भाजपा सांसदों ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना को इस संबंध में एक पत्र भी लिखा है और उनसे उचित कदम उठाने का आग्रह किया है। तिवारी ने कहा कि आबकारी नीति और स्कूली कक्षाओं के निर्माण में हुए कथित घोटालों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए आप के नेता ''दुर्भावनापूर्ण, झूठे और गुमराह करने वाले'' आरोप लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आप नेताओं ने आरोप लगाए थे भाजपा ने आप विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 - 20 करोड़ रूपये की पेशकश की थी। सिसोदिया उन 15 लोगों में शामिल हैं, जिन्हें दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के कार्यान्वयन में हुई कथित अनियमितताओं के सिलसिले में दर्ज सीबीआई की प्राथमिकी में नामजद किया गया है। पिछले दिनों सीबीआई ने उनके आवास पर छापेमारी भी की थी।

पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन को सशक्त करेगा हिमाचल का बल्क ड्रग पार्क: अनुराग ठाकुर

बिजनौर। (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश। केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में बहुप्रतीक्षित बल्क ड्रग पार्क की सैद्धांतिक मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व केंद्रीय रसायन व उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया जी का हार्दिक आभार प्रकट किया है। अनुराग ठाकुर ने कहा 'हिमाचल प्रदेश में अच्छी स्वास्थ्य सेवा के साथ रोज़गार के अवसर बढ़ सकें इस दिशा में मैं सदैव प्रयासरत हूँ। केमिकल एंड फर्टिलाइजर मिनिस्ट्री ने पूरे देश में तीन बल्क ड्रग पार्क देने का निर्णय लिया था, और 3000 करोड़ का प्रावधान पिछले बजट में किया था। हिमाचल क्योंकि फार्मा हब है इसलिए इन तीन में से एक बल्क ड्रग पार्क हिमाचल में भी आ सके इसके लिए सामूहिक प्रयास किए जा रहे हैं। यह हर्ष का विषय है कि देवभूमि हिमाचल में बल्क ड्रग पार्क को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। मेरे संसदीय क्षेत्र के ज़िला ऊना के हरोली विधानसभा में प्रस्तावित इस बल्क ड्रग पार्क की सैद्धांतिक मंजूरी से क्षेत्र में हर्ष की लहर है। मैं इस मंजूरी के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी व केंद्रीय रसायन व उर्वरक मंत्री श्री मनसुख मंडाविया जी का कोटिशः आभार प्रकट करता हूँ' आगे बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा 'आदरणीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और बल देने वाले इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर पूर्ण विश्वास है कि जल्द ही मोदी जी के कर कमलों से प्रदेश में करोड़ों का निवेश लाने व हज़ारों रोज़गार के अवसर पैदा करने वाले इस बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी जाएगी। हिमाचल फ़ार्मा हब है व केंद्र व राज्य सरकार के क्रमशः 1000 करोड़ व 190 करोड़ की राशि से बनने वाला यह बल्क ड्रग पार्क दवाओं के निर्माण के लिए कच्चा माल हिमाचल में ही उपलब्ध करा कर विदेशों पर निर्भरता कम कर आत्मनिर्भर भारत का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करेगा'।

चार साल से अधिक समय बाद चंद्रबाबू नायडू की फिर एनडीए में हो सकती है वापसी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

चंद्रबाबू नायडू की नई दिल्ली की कई यात्राओं के बीच, ऐसी खबरें हैं कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में जल्द ही एक नया राजनीतिक गठबंधन आकार ले सकता है। सूत्रों के अनुसार तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) को 4 साल से अधिक समय के बाद अब एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापसी करना चाहती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू से दिल्ली में मुलाकात की थी। सूत्रों ने कहा कि भाजपा और तेदेपा, आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में गठबंधन पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि दोनों राज्यों में टीडीपी का अच्छा वोट बैंक है। हालांकि, भाजपा के आंध्र प्रदेश सह-प्रभारी सुनील देवधर ने इन खबरों का खंडन किया है।

उन्होंने कहा तेदेपा का एनडीए में शामिल होने वाली खबरें पूरी तरह से निराधार हैं। केंद्रीय संसदीय बोर्ड इस पर फैसला करता है। पीएम मोदी ने एक कार्यक्रम में चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की थी, जहां कई अन्य नेता भी मौजूद थे। ऐसी मुलाकातों को राजनीतिक एंगल से नहीं देखा जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश की दोनों पार्टियां वाईएसआर कांग्रेस और टीडीपी वंशवादी और भ्रष्ट पार्टियां हैं।

ज्ञात होकि 76वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, एन चंद्रबाबू नायडू ने पीएम मोदी की प्रशंसा की थी। तिरंगा फहराने के बाद एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मैंने महसूस किया कि भारत 400 साल पहले की तरह पारंपरिक संस्कृति में अन्य देशों से आगे है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी सहित शुरू से ही शीर्ष पर रहे नेताओं को इसका श्रेय दिया। आज से 4 वर्ष पहले चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र के लिए विशेष पैकेज के मुद्दे पर राजग से नाता तोड़ लिया था। उन्होंने भाजपा पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया था।

इसके जवाब में, भाजपा ने आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार से अपने कोटे के मंत्रियों को हटा लिया था और तेदेपा पर 'राजनीतिक अवसरवाद' का आरोप मढ़ा था। अपनी पार्टी के विधायकों और सांसदों के दबाव में, नायडू ने आंध्र को विशेष दर्जा दिए जाने की मांग को आगे बढ़ाया था, जिसे केंद्र की मोदी सरकार ने अनसुना कर दिया था। तेदेपा की मांग पर तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था, 'केंद्र के पास फ्री-फ्लोटिंग फंड नहीं है। भारत के हर राज्य को समान रूप से समान केंद्रीय धन का अधिकार है। मुझे आंध्र प्रदेश से सहानुभूति है, क्योंकि हमें पता है कि उसका बंटवारा हुआ है।

गुजरात चुनाव से पहले भाजपा करेगी मेयर कांफ्रेंस, जेपी नड्डा करेंगे उदघाटन

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव से पहले भाजपा ने राज्य में मेयर कांफ्रेंस का आयोजन किया है। भाजपा शासित सभी शहरों के महापौर इस कांफ्रेंस में शिरकत करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मेयर कांफ्रेंस का उदघाटन करेंगे। बता दें कि गुजरात विधानसभा के चुनाव इस साल के अंत में होने हैं और उसे जीतने के लिए भाजपा समेत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी 'आप' एडीचोटी का जोर लगा रही हैं। आप के मैदान में उतरने से अबकी बार गुजरात विधानसभा के चुनाव त्रिकोणीय मुकाबला होना तय है। आप ने गुजरात के राजनीतिक इतिहास में नई पहल करते हुए कई उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। दूसरी ओर चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं की गुजरात में आवाजाही बढ़ गई है। अब गुजरात चुनाव से पहले भाजपा ने मेयर कांफ्रेंस का आयोजन किया है, जिसमें भाजपा शासित सभी शहरों के मेयर शामिल होंगे। आगामी 15 सितंबर के बाद होने वाली मेयर कांफ्रेंस का उदघाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। मेयर कांफ्रेंस में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष के भी उपस्थित रहने की संभावना है।

भारत और फ्रांस के बीच यूएनएससी के एजेंडे पर चर्चा हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और फ्रांस ने पेरिस में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) और अन्य बहुपक्षीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्षों ने यूएनएससी के एजेंडे पर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार साझा किए। भारतीय प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व यूएन में राजनीतिक मामलों के ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रकाश गुप्ता ने किया। इस दल में पेरिस में भारतीय दूतावास के अधिकारी भी शामिल रहे। वहीं फ्रांस की ओर डेलिगेशन के प्रमुख फैबियन पिनोने और अन्य सीनियर अफसर इसमें शामिल रहे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक में भारत-फ्रांस सामरिक साझेदारी पर विभिन्न मुद्दों को लेकर बातचीत हुई और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से जुड़े विशेष मुद्दों पर विचार साझा किए गए। इस दौरान दोनों देशों के बीच जारी साझेदारी को विभिन्न मंचों पर मजबूती के साथ जारी रखने पर सहमति बनी। इसमें आतंकवाद का मुद्दा भी शामिल रहा। भारत-फ्रांस के प्रतिनिधियों के बीच हुई इस बातचीत में दोनों पक्षों ने अपनी प्राथमिकताएं रखीं। इसके अलावा सितंबर और दिसंबर 2022 में फ्रांस और भारत की यूएनएससी की आगामी अध्यक्षता को लेकर चर्चा की। इसके अलावा सितंबर 2022 में होने वाले यूएन जनरल असेंबली के 77वें सत्र पर बातचीत हुई।

इसके पहले 17 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। पीएम मोदी ने ट्वीट कर बताया था कि दोनों नेताओं के बीच रक्षा सहयोग, परियोजनाओं और परमाणु ऊर्जा में सहयोग को लेकर चर्चा हुई।

'भारत जोड़ो' यात्रा का मकसद भाषण देना नहीं, लोगों की बात सुनना: जयराम रमेश

चेन्नई। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा' बोलने वाली नहीं, सुनने वाली यात्रा होगी जिसमें राहुल गांधी भाषण नहीं देंगे, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की बात सुनेंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से कश्मीर तक करीब 3,500 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे जिसे 150 दिन में पूरा किया जाएगा। यात्रा देश के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरेगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पार्टी का उद्देश्य भाजपा के 'भारत बांटो' के खिलाफ भारत जोड़ने' का है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का सबसे बड़ा राजनीतिक जनसंपर्क अभियान है और राहुल गांधी सामाजिक ध्रुवीकरण, आर्थिक असमानता तथा केंद्र में अधिकारों के केंद्रीकरण जैसे विषयों पर पदयात्रा करेंगे। रमेश के मुताबिक राहुल गांधी पूरी यात्रा पैदल करेंगे। रमेश ने कहा कि राहुल गांधी भाषण नहीं देंगे, वह दलितों और आदिवासियों समेत समाज के सभी लोगों की बात सुनेंगे। उन्होंने कहा, ''यह एक सार्वजनिक, खुली, पारदर्शी कवायद है।''

रमेश के मुताबिक, राहुल गांधी के साथ जुड़ने के लिए समान विचारों के सभी लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। रमेश ने बताया कि राहुल गांधी सात सितंबर को कन्याकुमारी में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करने के बाद अगली सुबह से पैदल यात्रा शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि एक दिन में दो पालियों में 23 किलोमीटर की यात्रा की जाएगी। तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष के एस अलागिरि ने कहा कि कन्याकुमार में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन राहुल गांधी से मिलेंगे और उन्हें तिरंगा सौंपेंगे। राहुल गांधी की जनसभा में कांग्रेस के विभिन्न सहयोगी दलों के नेता भी भाग लेंगे।

जल्द मिल सकता है कोरोना का नया टीका,

आईआईएससी का वायरस जैसा पार्टिकल हो सकता है मददगार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलोर ने सार्स-कोव-2 वायरस जैसा 'पार्टिकल' विकसित किया और उसकी जांच भी की है, जिसे कोविड-19 के टीके के रूप में विकसित किये जाने की संभावना है। सार्स-कोवी-2 वायरस का अध्ययन करने के लिए अनुसंधानकर्ताओं को नमूनों से वायरस को अलग-थलग करने, इसकी कई प्रतिकृतियां बनाने और इसके संचरण और जीवित कोशिकाओं में प्रवेश करने की क्षमता का विश्लेषण करने की जरूरत होती है।

हालांकि, इस तरह के अत्यधिक संक्रामक वायरस पर काम करना खतरनाक है और इसके लिए एक 'बायो सेफ्टी लेवल-3' प्रयोगशाला की जरूरत होती है। हालांकि, देश में कुछ ही ऐसी प्रयोगशालाएं हैं जो इस तरह के वायरस से निपटने के लिए उपकरणों से लैस है। इस समस्या के हल के लिए, अनुसंधान टीम ने कोरोना वायरस जैसे एक पार्टिकल (वीएलपी) को विकसित किया और उसकी जांच की। यह एक गैर संक्रामक सूक्ष्म आकार का अणु है जो सार्स-कोवी-2 जैसा है और उसके जैसा बर्ताव करता है लेकिन इसमें इसकी आनुवंशिक सामग्री शामिल नहीं थी। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि इस तरह के वीएलपी का न सिर्फ सार्स-कोवी-2 में उत्पन्न हो सकने वाले उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) के सुरक्षित अध्ययन में उपयोग किया जा सकता है बल्कि इसे एक टीके के रूप में भी विकसित किया जा सकता है, जो हमारे शरीर में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकता है।

उन्होंने कहा कि इन वीएलपी का इस्तेमाल वायरस का मुकाबला कर सकने वाली दवाइयों के परीक्षण में लगने वाले समय में कटौती करने में किया जा सकता है। आईआईएससी में माइक्रोबायोलॉजी एंड सेल बायोलॉजी विभाग के प्रोफेसर सौमित्र दास ने कहा कि उनकी प्रयोगशाला ने पूर्व में यह प्रदर्शित किया था कि वीएलपी का उपयोग प्रतिरक्षा तंत्र बनाने वाले टीके के तौर पर किया जा सकता है। महामारी के शुरू होने पर दास और उनकी टीम ने इस वीएलपी पर काम शुरू किया था। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने इस तरह के वीएलपी भी विकसित किए हैं, जो कोविड के नए स्वरूप ओमीक्रोन और अन्य उप स्वरूप के खिलाफ सुरक्षा उपलब्ध करा सकते हैं।

पाकिस्तान में बाढ़ से बुरा हाल, 20 लाख एकड़ में फैली फसल बर्बाद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान इस समय बाढ़ के कहर से जूझ रहा है और यहां केवल 10 दिनों के अंदर इतनी भारी बारिश हुई है कि इसने 30 सालों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। बारिस के कारण पाकिस्तान का एक तिहाई हिस्सा डूब गया है। अब तक 1100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और लगभग 10 लाख से ज्यादा लोग बेघर हो गए है।

बाढ़ से आई इस तबाही से अब तक 7 लाख से ज्यादा पशु मारे गए हैं और 3 हजार किलोमीटर की सड़कें पानी से बह गई है जिसके कारण लोगों तक राहस सामाग्री पहुंचने में काफी दिक्कते आ रही है। जानकारी के लिए बता दें कि बाढ़ का असर सबसे ज्यादा पाकिस्तान के सिंध, बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा और पंजाब राज्य में देखने को मिला है। यहां लगभग 20 लाख एकड़ में फैली फसल बर्बाद हो गई है। बाढ़ के कारण पाकिस्तान सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

अचानक कैसे आई बाढ़

पाकिस्तान में बाढ़ के आने का कारण यहां का जलवायु परिवर्तन है। दुनियाभर में बढ़ते तापमान को लेकर यूएन की रिपोर्ट में बताया गया है कि पृथ्वी के तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। तापमान बढ़ने और समुद्र के पास होने से गर्म हवाएं हिमालय से टकराती है, जिसके कारण भारत और पाकिस्तान में सबसे ज्यादा बारिश होती है। पाकिस्तान में इस बार 385 मिमी बारिश हुई है और विशेषज्ञों के मुताबिक यहां बारिश सितंबर तक होने की संभावना है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस अगले सप्ताह पाकिस्तान की यात्रा पर जाएंगे। इस बाढ़ से लाखों लोगों की स्थिति को देखने के लिए गुटेरेस पाकिस्तान पहुंचेगे।

बाढ़ ग्रस्त पाकिस्तान को तीन करोड़ डॉलर की मानवीय सहायता देगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने बाढ़ ग्रस्त पाकिस्तान को तीन करोड़ डॉलर की मानवीय सहायता देने की मंगलवार को घोषणा की। अमेरिका के विदेश एंथनी ब्लिंकन ने कहा, '' हम इस मुश्किल घड़ी में पाकिस्तान के साथ खड़े हैं।'' उन्होंने कहा, '' पाकिस्तान के भयानक बाढ़ की चपेट में आने के कारण अमेरिका 'यूएसएआईडी' के जरिए भोजन, सुरक्षित पेयजल और आश्रय जैसी महत्वपूर्ण मानवीय सहायता के लिए तीन करोड़ डॉलर प्रदान कर रहा है।'' विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने पत्रकारों को बताया कि बाढ़ से अनुमानित 3.3 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं और 1,100 से अधिक लोगों की जान गई है, जबकि 1,600 से अधिक लोग घायल हैं। पटेल ने बताया कि 'यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट' (यूएसएआईडी) के साझेदार इस कोष का इस्तेमाल भोजन, पोषण, सुरक्षित पेयजल, बेहतर स्वच्छता, आश्रय सहायता आदि जरूरी मदद मुहैया कराने के लिए करेंगे। पाकिस्तान हाल के इतिहास में सर्वाधिक भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है।

सोलोमन द्वीप ने मंजूरी प्रक्रिया की समीक्षा होने तक सैन्य पोत नहीं भेजने का अनुरोध किया

कैनबरा । सोलोमन द्वीप ने आग्रह किया कि जब तक मंजूरी की प्रक्रिया की समीक्षा नहीं कर ली जाती तब तक देश अपने नौसनिक पोत नहीं भेज। इस अनुरोध से पहले अमेरिकी तटरक्षक पोत ओलिवर हेनरी और ब्रिटिश नौसैनिक गश्ती नौका एचएमएस स्पे की यात्रा गत सप्ताह रद्द कर दी गई थी। सोलोमन और चीन के बीच हुए नए सुरक्षा समझौते के बीच अमेरिका और ब्रिटेन सहित कई देश इस बात को लेकर चिंतित हैं कि समझौते के कारण ऑस्ट्रेलिया के उत्तर पूर्वी तट से दो हजार किलोमीटर से कम दूरी पर एक चीनी नौसैनिक अड्डे का निर्माण किया जा सकता है। सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मानासेह सोगवारे ने कहा है कि ओलिवर हेनरी ने समय पर सूचना नहीं दी थी, इसकारण उनके कार्यालय ने यात्रा को मंजूरी नहीं दी। उन्होंने कहा कि एचएमएस स्पे ने दौरे का आवेदन वापस ले लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, मंजूरी मिलने में देरी से पता चलता है कि सैन्य पोतों को सोलोमन द्वीप के दौरे के लिए अनुमति देने के वास्ते सरकार को आवश्यकताओं की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमने अपने साझेदारों से अनुरोध किया है कि वे नई प्रक्रिया की समीक्षा के लिए समय दें और उसके बाद सैन्य पोतों के दौरों के लिए आवेदन करें। उन्होंने कहा कि नयी प्रक्रिया सभी सैन्य पोतों के लिए लागू होगी।

तुर्की और ईरानी अधिकारियों ने मारे 14 अफगान शरणार्थी

काबुल । एमनेस्टी इंटरनेशनल ने तुर्की और ईरानी सीमा अधिकारियों पर पिछले साल कम से कम 14 अफगान शरणार्थियों की हत्या करने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट में ईरानी सुरक्षा बलों द्वारा 11 अफगानों और तुर्की सुरक्षा बलों द्वारा 3 की 'गैरकानूनी हत्या' का दस्तावेजीकरण किया था।

राइट्स ग्रुप ने कहा कि ईरानी और तुर्की सुरक्षा बलों ने देशों को पार कर रहे अफगानों पर हमला किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरानी सुरक्षा बलों ने भीड़-भाड़ वाली कारों पर बार-बार गोलियां चलाईं, जबकि तुर्की के सीमा प्रहरियों ने अवैध रूप से गोला-बारूद का इस्तेमाल किया।

बता दें कि अगस्त 2021 में अफगान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से ये आंकड़े उस अवधि से संबंधित हैं। तब से देश में मानवीय स्थिति काफी खराब हो गई है। तुर्की यूरोपीय देशों के नागरिकों को कन्वेंशन के तहत शरणार्थी का दर्जा देता है, जबकि सीरियाई शरणार्थियों को केवल एक अस्थायी सुरक्षा का दर्जा प्रदान करता है। अन्य गैर सरकारी संगठनों की कई रिपोर्टों से पता चलता है कि अधिकांश भाग के लिए तुर्की में अफगानों को शरणार्थी का दर्जा भी नहीं दिया जाता है। तुर्की के गृह मंत्रालय के अनुसार, इस साल अब तक लगभग 43,000 अफगानों को अफगानिस्तान भेजा जा चुका है।

नहीं रहे सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव, 91 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

मॉस्क। सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव का निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। रूसी समाचार एजेंसी 'तास', 'आरआईए नोवोस्ती' और 'इंटरफैक्स' ने 'सेंट्रल क्लीनिकल हॉस्पिटल' के हवाले से गोर्बाचेव के निधन की जानकारी दी। गोर्बाचेव के कार्यालय ने पहले बताया था कि अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा है।

ऋषि सुनक खेमा ने प्रतिद्वंद्वी लिज ट्रस पर जांच से बचने का आरोप लगाया

लंदन,। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में बोरिस जॉनसन के स्थान पर नए नेता की नियुक्ति के लिए शुक्रवार को मतदान पूरा होने में कुछ ही दिन बाकी होने के बीच पूर्व मंत्री ऋषि सुनक के खेमे ने मंगलवार को प्रतिद्वंद्वी लिज़ ट्रस पर जांच से बचने का आरोप लगाया। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों और सट्टेबाजों के अनुमानों के अनुसार विदेश मंत्री ट्रस मौजूदा होड़ में सबसे आगे हैं। उन्हें बीबीसी के अनुभवी राजनीतिक पत्रकार निक रॉबिन्सन के कठिन सवालों का जवाब देना था। लेकिन कैबिनेट मंत्री ने साक्षात्कार के मंगलवार शाम को प्रसारित होने से कुछ घंटे पहले इससे इनकार कर दिया। उनकी टीम से कहा कि अब उनके पास समय नहीं हैं। सुनक इस महीने की शुरुआत में ही निक रॉबिन्सन के सवालों का जवाब दे चुके हैं। बीबीसी ने एक बयान में कहा कि लिज़ ट्रस ने निक रॉबिन्सन के साथ अपना साक्षात्कार रद्द कर दिया है जो इस मंगलवार शाम (30 अगस्त) शाम सात बजे प्रसारित होने वाला था ऋषि सुनक के एक सहयोगी ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि उम्मीदवारों को उचित जांच का सामना करना पड़े ताकि [पार्टी] सदस्य और आम जनता को पता चल सके कि वे क्या पेशकश कर रहे हैं। सहयोगी ने दावा किया कि इस जांच से बचने से पता चलता है कि ट्रस के पास कोई योजना नहीं है।

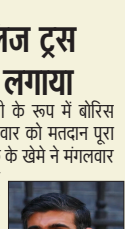

तुर्की में लोग एक एयरोस्पेस व टेक्नोलॉजी मेले में पहले मानवरहित लड़ाकू विमान के प्रतिरुप को देखते हुए।

ताइवान की राष्ट्रपति ने चीनी खतरे के बीच सैनिकों को संयमित रहने को कहा

पेंघु (ताइवान)। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने मंगलवार को स्वशासित द्वीप की सैन्य इकाई से कहा कि वे चीन द्वारा दैनिक आधार पर भेजे जा रहे विमान और युद्धपोतों को लेकर सयंमित रहें। उन्होंने कहा कि ताइवान, चीन को संघर्ष भड़काने का मौका नहीं देगा। उल्लेखनीय है कि अगस्त महीने के शुरुआत में अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के निम्न सदन प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइपे यात्रा के बाद से ताइवान पर सैन्य दबाव बनाए हुए है। चीन ने शुरुआत में इस यात्रा के जवाब में ताइवान के नजदीक समुद्र में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया था और फिर ताइवान के ऊपर से मिसाइल दागी थीजो जापान के आर्थिक क्षेत्र में गिरी थी। राष्ट्रपति वेन चीन द्वारा प्रतिदिन डाले जा रहे दबाव के बावजूद सयंमित हैं। उन्होंने ताइवान के पश्चिमी तट पर पेंघु स्थित नौसेना के ठिकाने के दौरा किया और सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, '' दुश्मन जितना भी उकसावे की मुद्रा में हो, हमें उतना ही संयमित रहने की जरूरत है। हमें उन्हें संघर्ष करने के लिए बहाना नहीं देंगे।'' इस दौरान उन्होंने रडार स्क्वाड्रन, वायु रक्षा कंपनी का निरीक्षण किया।

इंडोनेशिया के बाली में जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक, विकासशील देशों के प्रतिनिधि ले रहे हिस्सा

नुसा दुआ (इंडोनेशिया)। (एजेंसी)।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर चर्चा के लिए इंडोनेशिया के बाली में जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक हो रही है,जिसमें दुनिया के अग्रणी अमीर और विकासशील देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इस बैठक से पहले इंडोनेशिया की पर्यावरण मंत्री सीति नूरबाया ने कहा कि बैठकों के दौरान, जी-20 समूह के हर सदस्य देश के योगदान और विकसित तथा विकासशील देशों के लक्ष्यों में तालमेल बिठाने पर चर्चा की जाएगी।

नूरबाया ने उम्मीद जताई कि पेरिस में हुए जलवायु समझौते को साकार करने के लिए बैठक में प्राथमिकता वाले तीन बिंदुओं- पर्यावरण को हुए नुकसान से उबरने की सतत प्रक्रिया, जलवायु पर भूमि आधारित और समुद्र आधारित कार्रवाई तथा संसाधनों के समुचित उपयोग पर संयुक्त समझौता हो सकता है। मंत्री ने बैठक का उद्घाटन करते हुए अन्य देशों के पर्यावरण मंत्रियों से आग्रह किया कि पर्यावरणीय बहुपक्षवाद की रक्षा की जाए और उसे अमल में लाया जाए क्योंकि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी ढंग से समन्वित प्रयास करने का यही एकमात्र तरीका है।

नूरबाया ने कहा, ÷पर्यावरणीय बहुपक्षवाद एकमात्र ऐसी व्यवस्था है जहां छोटे, बड़े, अमीर या गरीब देश सभी समान ऊंचाई वाले मंच पर खड़े हो सकते हैं। चाहे उत्तर में हों या दक्षिण, विकसित या विकासशील, सभी देशों की आवाज सुनी जानी चाहिए।÷ इस साल जी-20 समूह की अध्यक्षता इंडोनेशिया कर रहा है जिसने पेरिस समझौते 2016 का समर्थन किया है। इंडोनेशिया ने 2030 तक अंतरराष्ट्रीय सहायता से 41 प्रतिशत और स्वतंत्र रूप से 29 प्रतिशत तक कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। अमेरिका के जलवायु प्रतिनिधि जॉन केरी समेत 17 पर्यावरण मंत्री और 200 से ज्यादा अन्य प्रतिनिधि इस बैठक में भाग ले रहे हैं। चीन, रूस और अर्जेंटीना के प्रतिनिधि डिजिटल माध्यम से इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

किसी भी देश का रूस के साथ सैन्य अभ्यास करना अमेरिका के लिए चिंताजनक है: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

व्हाइट हाउस ने कहा है कि यूक्रेन के साथ अकारण एवं बर्बर युद्ध छेड़ने वाले रूस के साथ किसी भी अन्य देश का अभ्यास करना उसके लिए चिंताजनक है। व्हाइट हाउस ने रूस में एक से सात सितंबर के बीच होने वाले कई देशों के सैन्य अभ्यास 'वोस्तोक 2022' के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस सैन्य अभ्यास में भारत और चीन भी हिस्सा ले रहे हैं। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद से रूस में होने जा रहा यह पहला बड़े स्तर का अभ्यास है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जीन पियरे ने एयर फोर्स वन विमान पर पत्रकारों से कहा, ''किसी भी देश का रूस के साथ अभ्यास करना अमेरिका के लिए चिंताजनक है, क्योंकि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ अकारण युद्ध छेड़ा है, लेकिन भाग लेने वाले प्रत्येक देश को खुद निर्णय लेना है और मैं यह फैसला उन पर छोड़ती हूं।'' जब पियरे से यह पूछा गया कि क्यों ''भारत पर कोई दबाव नहीं है'', तो उन्होंने कहा ,''इस बारे में मेरा कहना यही है कि रूस ने बेवजह युद्ध छेड़ा हुआ है, इसलिए किसी भी देश का उसके साथ अभ्यास करना चिंताजनक है।'' पत्रकार ने प्रेस सचिव से प्रश्न किया कि क्या अमेरिका ने इस संबंध में कोई कार्रवाई की या वह किसी प्रकार की योजना बना रहा है, उन्होंने कहा ''मेरे पास इस बारे में बताने लायक कुछ नहीं है।

अवमानना मामले में इमरान खान ने महिला न्यायाधीश के विरूद्ध अपनी टिप्पणी वापस लेने की इच्छा जतायी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक महिला न्यायाधीश के विरूद्ध अपना विवादास्पद बयान वापस लेने की इच्छा जतायी लेकिन माफी मांगने से इनकार कर दिया। इसी माह के प्रारंभ में एक रैली में खान ने राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किये गये अपने सहयोगी शहजाब गिल के साथ किये गये बर्ताव को लेकर पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग एवं राजनीतिक विरोधियों के विरूद्ध मामला दर्ज कराने की धमकी थी। साथ ही उन्होंने अतिरक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी पर भी ऐतराज जताया जिन्होंने गिल को दो दिनों के लिए इस्लामाबाद पुलिस की हिरासत में भेजा था।

इस भाषण के बाद खान पर आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने खान के विरूद्ध अदालत की अवमानना कार्यवाही भी शुरू की। उच्च न्यायालय को अपने लिखित जवाब में खान ने दावा किया कि टिप्पणी करने के समय उन्हें पता नहीं था कि चौधरी न्यायिक अधिकारी हैं, उन्हें लगा था कि वह कार्यकारी मजिस्ट्रेट हैं। उन्होंने कहा , ''प्रतिवादी खान विनम्रता के साथ कहता है कि उनके द्वारा इस्तेमाल किये गये शब्द अनपयुक्त हैं और वह उसे वापस लेने को तैयार हैं।

अफगानिस्तान में 60 लाख लोग हो सकते हैं अकाल से प्रभावित: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र (संरा) ने आगाह किया है कि बढ़ती गरीबी से जूझ रहे अफगानिस्तान के 60 लाख लोगों पर अकाल से प्रभावित होने का खतरा मंडरा रहा है। संरा के मानवीय सहायता प्रमुख ने सोमवार को दानदाताओं से अनुरोध किया कि वे आर्थिक विकास के लिए वित्त मुहैया करना फिर से शुरू करें और ठंड के मौसम में अफगानिस्तान की मदद के लिए तुरंत 77 करोड़ अमेरिकी डॉलर मुहैया करें। मार्टिन ग्रिफिथ्स ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि मानवीय, आर्थिक, जलवायु, भुखमरी और वित्तीय संकट जैसे कई संकटों का अफगानिस्तान सामना कर रहा है।

संघर्ष, गरीबी, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और खाद्य असुरक्षा लंबे समय से अफगानिस्तान की एक दुखद वास्तविकता रही है। मार्टिन ने कहा कि जो चीज अफगानिस्तान के मौजूदा हालात को 'इतना गंभीर' बनाती है, वह है एक साल पहले तालिबान द्वारा काबुल की सत्ता पर कब्जा किये जाने के बाद से बड़े पैमाने पर विकास सहायता को रोक दिया जाना। मार्टिन ने कहा कि आधी से अधिक अफगान आबादी (लगभग 2.4 करोड़ लोगों को) राहत सहायता की आवश्यकता है और करीब 1.9 करोड़ लोग खाद्य असुरक्षा की गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं।

मार्टिन ने कहा, ''हमें चिंता है कि हालात जल्द ही बदतर हो जाएंगे, क्योंकि सर्दियों का मौसम पहले से ही काफी उच्च स्तर पर पहुंच चुकी ईंधन और खाद्य सामग्री की कीमतों को आसमान पर पहुंचा देगा। उन्होंने कहा कि चुनौतियों के बावजूद संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों और उनके गैर सरकारी संगठन साझेदारों ने पिछले एक साल में लगभग 2.3 करोड़ लोगों तक पहुंचने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाया। उन्होंने कहा कि सर्दियों के मौसम की तैयारी के लिए 61.4 करोड़ डॉलर की तत्काल आवश्यकता है, जिसमें आवास की मरम्मत-ऊन्नयन और गर्म कपड़े और कंबल प्रदान करने का खर्च शामिल है।

मार्टिन ने कहा कि ठंड के कारण कुछ क्षेत्रों से संपर्क कट जाने से पहले, वहां तक भोजन और अन्य आपूर्ति के लिए अतिरिक्त 15.4 करोड़ डॉलर की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तालिबान के पास अपने देश के भविष्य के लिए निवेश करने के लिए कोई बजट नहीं है, इसलिए यह स्पष्ट है कि कुछ विकास सहायता शुरू करने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले 70 प्रतिशत से अधिक अफगानों के लिए मार्टिन ने चेतावनी दी कि यदि कृषि और पशुधन की रक्षा नहीं की गई, तो लाखों लोगों का जीवन और आजीविका खतरे में पड़ जाएगी।

उन्होंने कहा कि इससे देश की खाद्य उत्पादन क्षमता खतरे में पड़ जाएगी। रूस ने अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी की पहली वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई तथा उसके राजदूत वासिली नेबेंजिया ने अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों के (अफगानस्तान में) '20 वर्षीय अभियान' के लिए तीखी आलोचना की।

राष्ट्रपति पद पर चिनफिंग को तीसरे कार्यकाल के लिए अक्टूबर में मंजूरी देने की सीपीसी की योजना

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पांच साल का तीसरा कार्यकाल प्राप्त होने की संभावना है। यहां 16 अक्टूबर को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एक अधिवेशन में उन्हें आजीवन इस पद पर बने रहने के लिए मंजूरी मिलने वाली है, हालांकि यह विशेषाधिकार अब तक सिर्फ पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग को ही मिला था। शी के अलावा, अधिवेशन में देशभर से 2,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे जो विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए एक नयी आधिकारिक टीम को अपनी मंजूरी देंगे।

ज्यादातर शीर्ष पदाधिकारी या तो सेवानिवृत्त हो जाएंगे या हर पांच साल पर होने वाले पार्टी के अधिवेशन में नये पद प्राप्त करेंगे। प्रधानमंत्री ली केकियांग पिछले 10 वर्षों से सत्ता में हैं। यहां की गई एक अधिकारिक घोषणा के मुताबिक, मंगलवार को सीपीसी के राजनीतिक ब्यूरो की एक बैठक की अध्यक्षता शी (69) ने की। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पार्टी के पदाधिकारियों की भागीदारी वाला इसका एक पूर्ण सत्र नौ अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। उसमें यह प्रस्ताव रखा जाएगा कि 20वां अधिवेशन बीजिंग में 16 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।

चिनफिंग की अध्यक्षता में हुई राजनीतिक ब्यूरो की बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि सीपीसी का 20वां अधिवेशन इस नाजुक घड़ी में काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूरी पार्टी और समूचा राष्ट्र हर तरह से एक आधुनिक समाजवादी देश के निर्माण की दिशा में एक नया सफर शुरू करेगा और दूसरे शताब्दी लक्ष्य की ओर बढ़ेगा। सीपीसी अपने सभी महत्वपूर्ण अधिवेशन प्रत्येक पांच साल पर आयोजित करती है, जिस दौरान वह सरकार और पार्टी के कार्य की समीक्षा करती है तथा अगले पांच वर्षों के लिए योजनाओं को मंजूरी देती है।

पार्टी की मौजूदा परंपरा के तहत, नेतृत्व और शीर्ष पदाधिकारी हर 10 साल पर बदले जाते हैं। दस साल का कार्यकाल पूरा होने पर सेवानिवृत्त होने वाले अपने पूर्ववर्तियों के उलट शी चिनफिंग (69) को 20वें अधिवेशन में राष्ट्रपति पद पर तीसरे कार्यकाल के लिए मंजूरी मिलने की व्यापक स्तर पर उम्मीद जताई जा रही है। चिनफिंग इस साल पांच साल का अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने वाले हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की राजनीतिक दलों से सर्वदलीय सरकार में शामिल होने की अपील

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने देश में अब तक के सबसे बड़े आर्थिक संकट से निपटने के लिए सभी दलों से सरकार में शामिल होने और 'हस्तक्षेप के औजार' के रूप में इसका (देश का) इस्तेमाल करने से ''मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों'' को रोकने की मंगलवार को अपील की। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका के एक बंदरगाह पर चीन के एक हाईटेक पोत को आने की अनुमति दिये जाने को लेकर कुछ दिन पहले भारत और चीन के बीच जुबानी जंग हुई थी। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की यह टिप्पणी वित्त मंत्री के तौर पर 2022 के लिए उनके द्वारा संशोधित बजट पेश किये जाने के दौरान आयी है। विक्रमसिंघे ने कहा, ''हम अब रिण सहायता पर निर्भर देश नहीं रह सकते हैं। हमारा इस्तेमाल अब मजबूत अर्थव्यवस्था वाले अन्य देशों द्वारा हस्तक्षेप के औजार के रूप में नहीं किया जा सकता।'' चीनी पोत 'युआन वांग5' के श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर आने को लेकर चीन और भारत के बीच जुबानी जंग होने के कुछ दिनों बाद उनकी यह टिप्पणी आई है। उन्होंने कहा, ''यह सब कुछ तभी हासिल किया जा सकता है, जब हम साझा सहमति के साथ एकजुट होकर काम करें। मैं संसद में प्रतिनिधित्व रख रहे सभी दलों को एक सर्वदलीय सरकार में शामिल होने का अपना न्योता दोहराता हूं क्योंकि देश की जरूरतों को प्राथमिकता दिये जाने की जरूरत है।''

एनटीपीसी बांड के जरिए जुटाएगा 12,000 करोड़

नई दिल्ली । एनटीपीसी को निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके 12,000 करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी शेयरधारकों से मिल गई है। हाल ही में हुई सालाना आम सभा (एजीएम) में इस समाधान को मंजूरी मिली। एजीएम के नोटिस में बताया गया कि एक या अधिक किश्तों में जुटाई जाने वाली धनराशि का उपयोग पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रस्ताव को मंजूरी 29 जुलाई 2022 को दी थी।

कोला बाजार में प्रवेश करने की तैयारी में मुकेश अंबानी

नई दिल्ली । देश के मशहूर कारोबारी मुकेश अंबानी अब कोला बाजार में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड कैंपा जो कभी अपने कैंपा कोला के साथ बाजार में टॉप पर था। इस साल अक्टूबर में वापसी करने जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने दिल्ली स्थित प्योर ड्रिंक ग्रुप के साथ करीब 22 करोड़ रुपए के सौदे में इस ब्रांड का अधिग्रहण किया है। इसी के साथ साल 1977 में कोका कोला के भारत से बाहर जाने के बाद जिस कैंपा कोला ने उसकी कमी को पूरा किया वह अब दोबारा मार्केट में छाने को तैयार है। बता दें कि कैंपा कोला को 1970 के दशक में उसी प्योर ड्रिंक्स ग्रुप ने लॉन्च किया था जो भारतीय सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट में 1949 में कोका-कोला लेकर आया था। रिलायंस दीपावली पर इसको लांच करने की तैयारी कर रही है।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में उछाल, तेजी से बढ़ रहा इथेरियम

नई दिल्ली । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बुधवार को उछाल देखने को मिला है। शुरुआती कारोबार में ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 1.26 फीसदी बढ़त के साथ 996.25 बिलियन डॉलर हो गया था। बिटकॉइन में हल्का उछाल आया है, जबकि इथेरियम में अधिक तेजी देखी गई है। बिटकॉइन 0.67 फीसदी की तेजी के साथ 20,402.24 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। पिछले 7 दिनों में यह कॉइन 4.09 फीसदी गिरा है। दूसरे सबसे बड़े कॉइन इथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 4.03 प्रतिशत बढ़कर 1,605.72 डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले 7 दिनों में ईथर में 0.45 फीसदी की गिरावट आई है। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बिटकॉइन का प्रभुत्व 39.2 प्रतिशत है तो इथेरियम का 19.7 फीसदी है। इसी दबदबे से अंदाजा लगता है कि इथेरियम में बिटकॉइन के मुकाबले बेहतर रिकवरी आई है। बिटकॉइन का मार्केट कैप 390.12 बिलियन डॉलर हो गया है जबकि इथेरियम का बाजार पूंजीकरण 196.18 बिलियन डॉलर है।

इंडिगो के सीईओ गैर-प्रतिस्पर्द्धी अवधि बढ़ाए जाने के लिए तैयार

नई दिल्ली । देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो का परिचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रोनजॉय दत्ता पद से हटने के बाद दो साल के अतिरिक्त समय तक किसी प्रतिस्पर्द्धी संस्थान का हिस्सा नहीं बनेंगे। इंटरग्लोब एविएशन की ओर से दी गई सूचना में कहा गया है कि दत्ता गैर-प्रतिस्पर्द्धी प्रावधान को दो साल के लिए बढ़ाए जाने पर सहमत हो गए हैं। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक एवं सीईओ के तौर पर उनका कार्यकाल 23 जनवरी, 2024 तक था लेकिन वह इससे पहले 30 सितंबर, 2022 को ही पद से हट रहे हैं। कंपनी की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक दत्ता दो साल के अतिरिक्त समय के लिए गैर-प्रतिस्पर्द्धी प्रावधान पर सहमत हो गए हैं। उनके पद से हटने पर सहमति बनते समय एक साल का प्रावधान रखा गया था। कंपनी ने कहा कि वह चालू वित्त वर्ष के लिए दत्ता के पारिश्रमिक पर शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। इस प्रस्ताव पर ई-वोटिंग 31 अगस्त से शुरू होकर 29 सितंबर तक की जा सकती है। एक अक्टूबर तक इस मतदान के नतीजे सार्वजनिक कर दिए जाएंगे।

आत्मानिर्भता : इस वर्ष चीनी गणेश मूर्तियों का शून्य आयात

नई दिल्ली।

इस साल का त्योहारी सीजन आज से पूरे देश में गणेश उत्सव के 10 दिवसीय भव्य समारोह के साथ शुरू हो गया है, जिससे इस साल बड़े कारोबारियों के लिए बड़ी उम्मीद जगी है। इस त्योहार के साथ, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने एक बार फिर चीनी सामानों के बहिष्कार के अपने अभियान को फिर से जारी रखा है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक देश में हर साल 20 करोड़ से ज्यादा गणेश प्रतिमाएं खरीदी जाती हैं, जिससे अनुमानित कारोबार 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का होता है. उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से देश भर में बड़ी मात्रा में भगवान गणेश की पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियों को स्थापित करने का चलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। पहले प्लास्टर ऑफ पेरिस, पत्थर, संगमरमर और अन्य वस्तुओं से बनी गणेश मूर्तियों को सस्ते दामों के कारण चीन से आयात किया जाता था, लेकिन पिछले दो वर्षों में सीएआईटी द्वारा चीनी सामानों के बहिष्कार के अभियान के कारण चीनी गणेश का आयात हुआ। मूर्तियाँ शून्य हैं और पूरे देश में शहरों में अपने घरों में काम करने वाले स्थानीय शिल्पकार, कारीगर और कुम्हार अपने परिवार की महिलाओं को शामिल करते हुए मिट्टी और गाय के गोबर से मूर्तियाँ बनाते हैं, जो आसानी से विसर्जित हो जाती हैं। उन्होंने आगे

कहा कि पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियाँ बनाई जा रही हैं जिन्हें विसर्जित करने के बजाय पेड़ों और पौधों में मिला दिया जाता है, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होता है। इन मूर्तियों की वजह से देशभर में लाखों लोगों को कारोबार मिलता है।

अडानी ग्रुप एनडीटीवी में 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने लांच करेगा ओपन ऑफर

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप मीडिया कंपनी एनडीटीवी में 26 फीसदी की अतिरिक्त हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 17 अक्टूबर को ओपन ऑफर लॉन्च करेगा। इस ओपन ऑफर को मैनेज करने वाली कंपनी जेएम फाइनेंशियल द्वारा जारी एक विज्ञापन में कहा गया है कि 1.67 करोड़ इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण से जुड़ा यह ओपन ऑफर संभावित तौर पर एक नवंबर को बंद होगा। कंपनी ने इस ओपन ऑफर के लिए 294 रुपए प्रति शेयर की कीमत तय की है। अगर 294 रुपए की कीमत के साथ इस ओपन ऑफर को पूरी तरह सब्सक्रिप्शन हासिल हो जाता है तो यह ओपन ऑफर कुल 492.81 करोड़ रुपए का होगा। अडानी ग्रुप ने 23 अगस्त को एनडीटीवी की 29.18 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण का ऐलान किया था। कंपनी ने वीसीपीएल के अधिग्रहण के जरिए एनडीटीवी की हिस्सेदारी के अ धिग्रहण का ऐलान किया था।

अगले साल आ सकता है एनएसडीएल का 4000 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली . पहली डिपॉजिटरी सर्विसेज कंपनी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) अगले साल अपना आईपीओ लाने की तैयारियों में जुटी है। आईडीबीआई बैंक और एनएसई के निवेश वाली यह कंपनी साल 2023 में अपना आईपीओ उतारने के लिए 7 इन्वेस्टमेंट बैंकरों का चुनाव कर सकती है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि फिलहाल कंपनी अपने लिए निवेश बैंकर तलाश रही है और आईसीआईसीआई सिक्योरिटी इस डील की दौड़ में सबसे आगे है। कंपनी इस साल के आखिर तक अपना डीएचआरपी यानी ड्राफ्ट पेपर भी सेबी के पास जमा कर सकती है, जिसके बाद आईपीओ का रास्ता खुल जाएगा। अनुमान है कि एनएसडीएल का आईपीओ 3,500-4,000 करोड़ रुपए तक का हो सकता है। आईपीओ के जरिये कंपनी का वैल्यूएशन 12 से 14 हजार करोड़ रुपए का हो सकता है। आईपीओ को गाइड करने के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के अलावा, एक्सिस कैपिटल, एचएसबीसी सिक्योरिटीज, मोतीलाल ओसवाल, एसबीआई कैपिटल, एचडीएफसी बैंक और आईडीबीआई कैपिटल ने भी कंपनी से संपर्क साधा है। सूत्रों का यह भी कहना है कि इस आईपीओ में आईडीबीआई बैंक और एनएसई भी शामिल होंगे और इसके जरिये दोनों एनएसडीएल में अपनी हिस्सेदारी घटाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। बाजार में लिस्टिंग पूरी होने के बाद एनएसडीएल देश की दूसरी डिपॉजिटरी कंपनी होगी जो बाजार में सूचीबद्ध हो जाएगी। इससे पहले साल 2017 में सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड बाजार में लिस्ट हो चुकी है।

उड़ान, जियोमार्ट के नेतृत्व में भारत का बी2बी ई-कॉम बाजार 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना

बेंगलुरु ।

भारत का बी2बी ई-कॉमर्स बाजार, उड़ान और जियोमार्ट जैसे खिलाड़ियों के नेतृत्व में, 2030 तक सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) 90-100 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह आगे अनुमान लगाया गया है कि भारत में बी2बी सामान्य व्यापार अवसर 2030 तक 1.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा, ई2बी एक आशाजनक डिजिटल खरीद समाधान के रूप में सामने आएगा। अमेरिका और ब्रिटेन सहित विकसित देशों की तुलना में 84 प्रतिशत पर, भारत सामान्य व्यापार में सबसे बड़ा हिस्सा रखता है। यह असंगठित सामान्य व्यापार चैनल है जो भारत के खुदरा बाजार को चला रहा है और एक ही समय-सीमा में 0.7 ट्रिलियन डॉलर से 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक आकार में दोगुना होकर बढ़ता रहेगा। रेडसीर के पार्टनर मृगांक गुटगुटिया ने कहा, 'जहां निर्माताओं के पास सीमित प्रतिस्पर्धी खतरा है, वहीं ई2बी चैनल खुदरा विक्रेताओं और ब्रांडों को उनके दिन-प्रतिदिन के कारोबार में कई समस्याओं को हल करने में मदद कर रहा है।' उन्होंने कहा कि भारत के ई2बी बाजार में कई मॉडलों की गुंजाइश है, लेकिन व्यापक श्रेणी कवरेज और राष्ट्रीय कवरेज के साथ बहु-श्रेणी का खेल जीतने की संभावना है। ई2बी प्लेटफॉर्म कुछ दबाव बिंदुओं को जैसे कि उच्च मूल्य, कोई क्रेडिट विकल्प नहीं, असमय

डिलीवरी, और उत्पादों की निम्न गुणवत्ता, अन्यों को प्रभावी ढंग से हल करने में सक्षम रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ई2बी ने पहले ही ऑफलाइन बाजार में वॉलेट की अच्छी हिस्सेदारी हासिल कर ली है और खुदरा विक्रेताओं को जल्द ही अपना खर्च बढ़ाने का भरोसा है। रिपोर्ट आगे बताती है कि लगभग 50 प्रतिशत गैर-उपयोगकर्ता आने वाले वर्ष में ई2बी प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट होने के इच्छुक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भविष्य में भारत में उभरते ब्रांडों के लिए रैली करते हुए असंगठित व्यापार से संगठित डिजिटल व्यापार में बदलाव देखा जाएगा, जिससे ई2बी2बी ब्रांड मार्केटिंग और विज्ञापन खर्च के लिए एक वास्तविक चैनल बन जाएगा।'

रुपए में एक साल की सबसे बड़ी तेजी

- विदेशी निवेशकों के भरोसे ने दी मजबूती

नई दिल्ली ।

भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी निवेशकों के भरोसे से रुपए को मजबूती मिली। पिछले कारोबारी सत्र में फॉरेक्स मार्केट में रुपया डॉलर के मुकाबले 0.6 फीसदी चढ़ा, जो एक साल की सबसे बड़ी तेजी मानी जा रही है। इससे पहले सोमवार को रुपया गिरकर डॉलर के मुकाबले 80.12 पर पहुंच गया था, जो आखिर में 79.96 के स्तर पर बंद हुआ था। मंगलवार को भारतीय मुद्रा ने अच्छा कमबैक किया और 79.45 के स्तर पर आ गया। यह एक दिन 0.6 फीसदी की बड़ी उछाल है। जो 27 अगस्त, 2021 के बाद सबसे बड़ी तेजी मानी जा रही है। गौरतलब है कि फॉरेक्स मार्केट में डॉलर अभी दो दशक के सबसे मजबूत स्थिति में चल रहा है। भारतीय शेयर बाजार के लिए विदेशी निवेश के मायने में अगस्त पिछले 20 महीने में सबसे ज्यादा कारगर साबित हुआ। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 6 अरब डॉलर का निवेश किया है, जो दिसंबर, 2020 के बाद सबसे अधिक है। यही कारण रहा कि पिछले कारोबारी सत्र में निफ्टी 50 इंडेक्स 2.7 फीसदी का जबरदस्त उछाल पाने में कामयाब रहा। सिर्फ शेयर बाजार के लिए ही नहीं, बल्कि सरकारी डेट विकल्पों के लिए भी अगस्त का महीना लाभकारी रहा। एचएसबीसी के विशेषज्ञ का कहना है कि कमोडिटी की कीमतें वापस नीचे आ रही हैं और विदेशी मुद्रा का निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। इससे रुपए को सहारा मिलेगा और आने वाले समय में यह और मजबूत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले जहां अन्य मुद्राओं जैसे येन, यूरो और पाउंड पर दबाव जारी रहेगा, वहीं भारतीय मुद्रा कमबैक कर

सकती है। आरबीआई भी रुपए को वापस स्थिर करने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि इन कारणों से आने वाले समय में वोलाटिलिटी बढ़ेगी जिससे दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। इसका असर डॉलर की मजबूती पर भी दिखेगा। एशिया की अन्य मुद्राएं जहां दबाव में रहेंगी, वहीं रुपया आरबीआई के सहयोग से वापसी कर सकता है।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेयर बाजार बंद

मुंबई । गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार और विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार बुधवार को बंद रहेंगे। इस दौरान बीएसई और एनएसई में करोबार नहीं होगा। इससे पहले मंगलवार को बाजार में बड़ा उछाल आया। इस दौरान सेंसेक्स 1,564 अंकों की मजबूती आई। सेंसेक्स में आई यह मजबूती पिछले तीन महीनों के दौरान आया सबसे बड़ा उछाल है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार में 4165.86 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीदारी की। बाजार में मंगलवार को तेजी बैंकिंग, आईटी और पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में जोरदार खरीदारी के कारण आई।

ऑडी इंडिया की सितंबर से महंगी होगी कारें

-एक्स-शोरूम कीमत में 2.4 फीसदी तक की होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

महंगी कारें बनाने वाली कंपनी ऑडी इंडिया सितंबर से अपने सभी मॉडलों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। प्रत्येक मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत में 2.4 फीसदी तक की बढ़ोतरी होगी। कंपनी ऑडी इंडिया ने हाल में ये घोषणा की है। जर्मन निर्माता ने पहले अप्रैल की शुरुआत से कीमतों में तीन प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी।कंपनी ने एक बयान में कहा कि कच्चे माल और सप्लाई चेन की लागत बढ़ने के चलते उसने यह फैसला किया है। बढ़ी हुई कीमतें 20 सितंबर 2022 से प्रभावी होगी.ऑडी इंडिया पेट्रोल मॉडल ए4, ए6, ए8 एल, क्यू5, क्यू7, क्यू8, एस5 स्पोर्टबैक, आरएस 5 स्पोर्टबैक और आरएस क्यू8 की बिक्री करती है।इसके अलावा कंपनी भारत में ई-ट्रॉन 50, ई-ट्रॉन 55, ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक 55, ई-ट्रॉन जीटी और आरएस ई-ट्रॉन जीटी जैसी इलेक्ट्रिक कारें भी बेचती है। इनमें से कुछ कारों की एक्स शोरूम कीमत एक करोड़ रुपये से ज्यादा है।अगर प्रतिशत के हिसाब से देखा जाए तो कुछ कारों पर 2 लाख रुपये से ज्यादा कीमत बढ़ जाएगी।ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, 'ऑडी इंडिया में हम एक स्थायी व्यापार मॉडल के लिए प्रतिबद्ध हैं।कच्चे माल और सप्लाई चेन की बढ़ती लागत के चलते हमें अपने मॉडलों की कीमतों में 2.4 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की जरूरत है.'इस साल हर सेगमेंट में कारों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।लगभग सभी कंपनियों ने बढ़ती इनपुट लागत को इस बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार ठहराया है।लग्जरी कार सेगमेंट को बड़े पैमाने पर कीमतों में बढ़ोतरी कम ही देखने को मिलती

है। हालांकि, हो सकता है आगामी फेस्टिव सीजन को देखते हुए जर्मन ब्रांड ने यह फैसला लिया हो।भारत में मोटर वाहन उद्योग अगस्त और अक्टूबर के महीनों के बीच अपना बेस्ट बिजनेस करने का ट्रेंड रखता है।पैसेंजर व्हीकल सेगमें काफी मजबूती बनी हुई है.भारत में हाल ही में नई ऑडी क्यू3 की बुकिंग शुरू हो गई है।कपनी क्यू3 के नए मॉडल को जल्द ही लॉन्च कर सकती है।ग्राहक ऑनलाइन या डीलरशिप के जरिए 2 लाख रुपये देकर इसे बुक कर सकते हैं।

सीमाशुल्क विभाग आयातित वस्तुओं के लिए एक समान जांच प्रणाली शुरू करेगा

नई दिल्ली । सीमा शुल्क विभाग आयातित वस्तुओं को मंजूरी प्रदान करने के लिए देश में ऐसी प्रणाली शुरू करने की योजना बना रहा है जिसमें आमना-सामना हुए बिना मूल्यांकन किया जाता है। इसकी शुरुआत पांच सितंबर से धातु की आयातित वस्तुओं के साथ की जाएगी। बताया जा रहा है कि इससे सीमा शुल्क जांच में एकरूपता आएगी, माल की खेप को मंजूरी मिलने में समय कम लगेगा और कारोबारी सुगमता बढ़ेगी। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने अधिकारियों के लिए जारी परिपत्र में कहा है कि नेशनल कस्टम्स टारगेटिंग सेंटर (एनसीटीसी) ने विभिन्न मानकों के आधार पर बिल ऑफ एंट्री (बीओई) के लिए प्रणाली जनित केंद्रीकृत जांच आदेश विकसित किया है और इसे चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह जांच बीओई के लिए दूसरी जांच होगी। इसमें माल को भौतिक जांच के लिए भेजा जाना अनिवार्य नहीं होगा बल्कि सीमा शुल्क अधिकारी आयातित सामान का आकलन अधिकारियों के समक्ष जमा किए गए दस्तावेजों के आधार पर करेंगे। बीओई को आयातक या उनके एजेंट आयातित सामान के आने से पहले सीमा शुल्क विभाग में जमा करते हैं। सीबीआईसी ने कहा कि यह निर्णय हुआ है कि मानकीकृत सीमा शुल्क जांच प्रक्रिया की शुरुआत धातु की वस्तुओं के निरीक्षण के साथ पांच सितंबर 2022 से शुरू की जाएगी। इससे जांच में एकरूपता आने, इसमें लगने वाला समय और लागत कम होने का अनुमान है।

7 सितंबर को एप्पल वॉच और आईफोन 14 हो सकते हैं लॉन्च

-एप्पल ने लॉन्चिंग इवेंट आयोजित करने की घोषणा की

नई दिल्ली ।

आईफोन मेकर्स कंपनी ऐप्पल ने 7 सितंबर को लॉन्चिंग इवेंट आयोजित करने की घोषणा की है। एप्पल आने वाले इवेंट में आईफोन 14 सीरीज और एप्पल वॉच 8 सीरीज को लॉन्च कर सकती है। कंपनी ने इस मेगा इवेंट के लिए मीडिया को इनविटेशन भेजा है। इवेंट की टैग लाइन 'फार आउट' है और इसे ऐपल की वेबसाइट पर स्ट्रीम किया जाएगा। ऐपल इंक के लिए आईफोन लॉन्च करना हमेशा एक बड़ा मोमेंट रहा है। पिछले साल बड़ी तादाद में आईफोन बिके थे, लेकिन इस साल कंपनी पर अतिरिक्त दबाव है क्योंकि कंपनी कन्जयूमर स्पेंडिंग में कमी और आर्थिक मंदी का सामना कर रही है। ऐसे में स्मार्टफोन उद्योग में खरीदारों को लुभाने के लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की जरूरत है। कंपनी आने वाले महीनों में सामान्य से अधिक एम्बीशियस प्रोडक्टस को पेश करने की योजना बना रही है, जबकि सितंबर में होने जा रहे इवेंट में आईफोन 14 और एप्पल वॉच सीरीज 8 कंपनी के अहम प्रोडक्ट होंगे। इसके अलावा कंपनी नए एप्पल मेक, आईपैड, एयरपॉड्स और आईओएस 16 भी पेश कर सकती है। बता दें कि इस साल ये ऐपल का तीसरा इवेंट है। इससे पहले कंपनी ने जून में डेवलपर सम्मेलन में आईओएस16, मेकओएस वेंचुरा और अन्य नए सॉफ्टवेयर फीचर पेश किए थे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल और डीजल महंगा, लखनऊ में सस्ता

नई दिल्ली ।

बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में ईंधन की खपत में कमी आने की वजह से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है, जिसका असर बुधवार को पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा। बुधवार को यूपी के नोएडा-ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ गए जबकि राजधानी लखनऊ में सस्ते हुए हैं। जबे कि सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बुधवार को भी देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है. लेकिन, यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 36 पैसे बढ़कर 97 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 32 पैसे महंगा होकर 90.14 रुपए लीटर हो गया। हालांकि, लखनऊ में पेट्रोल के भाव 13 पैसे गिरकर 96.44 रुपए प्रति लीटर पहुंच गए, जबकि डीजल 12 पैसे घटकर 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। अगर कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव 5 डॉलर गिरकर 99.77 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 4.5 डॉलर घटकर 92.13 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट सं ग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता है। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। वाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

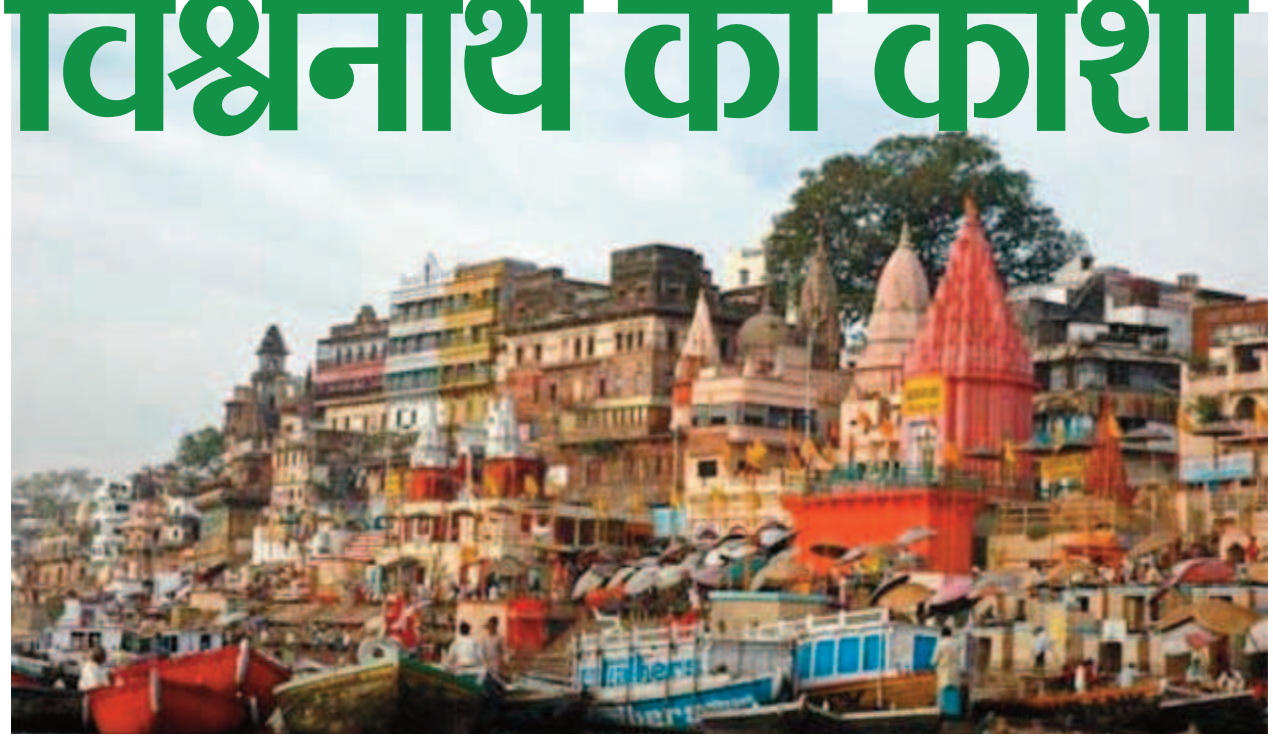

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दश्वमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्राट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

एनटीपीसी बांड के जरिए जुटाएगा 12,000 करोड़

नई दिल्ली । एनटीपीसी को निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके 12,000 करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी शेयरधारकों से मिल गई है। हाल ही में हुई सालाना आम सभा (एजीएम) में इस समाधान को मंजूरी मिली। एजीएम के नोटिस में बताया गया कि एक या अधिक किश्तों में जुटाई जाने वाली धनराशि का उपयोग पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रस्ताव को मंजूरी 29 जुलाई 2022 को दी थी।

कोला बाजार में प्रवेश करने की तैयारी में मुकेश अंबानी

नई दिल्ली । देश के मशहूर कारोबारी मुकेश अंबानी अब कोला बाजार में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड कैंपा जो कभी अपने कैंपा कोला के साथ बाजार में टॉप पर था। इस साल अक्टूबर में वापसी करने जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने दिल्ली स्थित प्योर ड्रिंक ग्रुप के साथ करीब 22 करोड़ रुपए के सौदे में इस ब्रांड का अधिग्रहण किया है। इसी के साथ साल 1977 में कोका कोला के भारत से बाहर जाने के बाद जिस कैंपा कोला ने उसकी कमी को पूरा किया वह अब दोबारा मार्केट में छाने को तैयार है। बता दें कि कैंपा कोला को 1970 के दशक में उसी प्योर ड्रिंक्स ग्रुप ने लॉन्च किया था जो भारतीय सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट में 1949 में कोका-कोला लेकर आया था। रिलायंस दीपावली पर इसको लांच करने की तैयारी कर रही है।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में उछाल, तेजी से बढ़ रहा इथेरियम

नई दिल्ली । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बुधवार को उछाल देखने को मिला है। शुरुआती कारोबार में ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 1.26 फीसदी बढ़त के साथ 996.25 बिलियन डॉलर हो गया था। बिटकॉइन में हल्का उछाल आया है, जबकि इथेरियम में अधिक तेजी देखी गई है। बिटकॉइन 0.67 फीसदी की तेजी के साथ 20,402.24 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। पिछले 7 दिनों में यह कॉइन 4.09 फीसदी गिरा है। दूसरे सबसे बड़े कॉइन इथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 4.03 प्रतिशत बढ़कर 1,605.72 डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले 7 दिनों में ईथर में 0.45 फीसदी की गिरावट आई है। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बिटकॉइन का प्रभुत्व 39.2 प्रतिशत है तो इथेरियम का 19.7 फीसदी है। इसी दबदबे से अंदाजा लगता है कि इथेरियम में बिटकॉइन के मुकाबले बेहतर रिकवरी आई है। बिटकॉइन का मार्केट कैप 390.12 बिलियन डॉलर हो गया है जबकि इथेरियम का बाजार पूंजीकरण 196.18 बिलियन डॉलर है।

इंडिगो के सीईओ गैर-प्रतिस्पर्द्धी अवधि बढ़ाए जाने के लिए तैयार

नई दिल्ली । देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो का परिचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रोनजॉय दत्ता पद से हटने के बाद दो साल के अतिरिक्त समय तक किसी प्रतिस्पर्द्धी संस्थान का हिस्सा नहीं बनेंगे। इंटरग्लोब एविएशन की ओर से दी गई सूचना में कहा गया है कि दत्ता गैर-प्रतिस्पर्द्धी प्रावधान को दो साल के लिए बढ़ाए जाने पर सहमत हो गए हैं। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक एवं सीईओ के तौर पर उनका कार्यकाल 23 जनवरी, 2024 तक था लेकिन वह इससे पहले 30 सितंबर, 2022 को ही पद से हट रहे हैं। कंपनी की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक दत्ता दो साल के अतिरिक्त समय के लिए गैर-प्रतिस्पर्द्धी प्रावधान पर सहमत हो गए हैं। उनके पद से हटने पर सहमति बनते समय एक साल का प्रावधान रखा गया था। कंपनी ने कहा कि वह चालू वित्त वर्ष के लिए दत्ता के पारिश्रमिक पर शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। इस प्रस्ताव पर ई-वोटिंग 31 अगस्त से शुरू होकर 29 सितंबर तक की जा सकती है। एक अक्टूबर तक इस मतदान के नतीजे सार्वजनिक कर दिए जाएंगे।

आत्मनिर्भर्ता : इस वर्ष चीनी गणेश मूर्तियों का शून्य आयात

नई दिल्ली।

इस साल का त्योहारी सीजन आज से पूरे देश में गणेश उत्सव के 10 दिवसीय भव्य समारोह के साथ शुरू हो गया है, जिससे इस साल बड़े कारोबारियों के लिए बड़ी उम्मीद जगी है। इस त्योहार के साथ, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने एक बार फिर चीनी सामानों के बहिष्कार के अपने अभियान को फिर से जारी रखा है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक देश में हर साल 20 करोड़ से ज्यादा गणेश प्रतिमाएं खरीदी जाती हैं, जिससे अनुमानित कारोबार 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का होता है. उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से देश भर में बड़ी मात्रा में भगवान गणेश की पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियों को स्थापित करने का चलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। पहले प्लास्टर ऑफ पेरिस, पत्थर, संगमरमर और अन्य वस्तुओं से बनी गणेश मूर्तियों को सस्ते दामों के कारण चीन से आयात किया जाता था, लेकिन पिछले दो वर्षों में सीएआईटी द्वारा चीनी सामानों के बहिष्कार के अभियान के कारण चीनी गणेश का आयात हुआ। मूर्तियाँ शून्य हैं और पूरे देश में शहरों में अपने घरों में काम करने वाले स्थानीय शिल्पकार, कारीगर और कुम्हार अपने परिवार की महिलाओं को शामिल करते हुए मिट्टी और गाय के गोबर से मूर्तियाँ बनाते हैं, जो आसानी से विसर्जित हो जाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियाँ बनाई जा रही हैं जिन्हें विसर्जित करने के बजाय पेड़ों और पौधों में मिला दिया जाता है, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होता है। इन मूर्तियों की वजह से देशभर में लाखों लोगों को कारोबार मिलता है।

अडानी ग्रुप एनडीटीवी में 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने लांच करेगा ओपन ऑफर

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप मीडिया कंपनी एनडीटीवी में 26 फीसदी की अतिरिक्त हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 17 अक्टूबर को ओपन ऑफर लॉन्च करेगा। इस ओपन ऑफर को मैनेज करने वाली कंपनी जेएम फाइनेंशियल द्वारा जारी एक विज्ञापन में कहा गया है कि 1.67 करोड़ इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण से जुड़ा यह ओपन ऑफर संभावित तौर पर एक नवंबर को बंद होगा। कंपनी ने इस ओपन ऑफर के लिए 294 रुपए प्रति शेयर की कीमत तय की है। अगर 294 रुपए की कीमत के साथ इस ओपन ऑफर को पूरी तरह सब्सक्रिप्शन हासिल हो जाता है तो यह ओपन ऑफर कुल 492.81 करोड़ रुपए का होगा। अडानी ग्रुप ने 23 अगस्त को एनडीटीवी की 29.18 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण का ऐलान किया था। कंपनी ने वीसीपीएल के अधिग्रहण के जरिए एनडीटीवी की हिस्सेदारी के अ धिग्रहण का ऐलान किया था।

अगले साल आ सकता है एनएसडीएल का 4000 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली . पहली डिपॉजिटरी सर्विसेज कंपनी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) अगले साल अपना आईपीओ लाने की तैयारियों में जुटी है। आईडीबीआई बैंक और एनएसई के निवेश वाली यह कंपनी साल 2023 में अपना आईपीओ उतारने के लिए 7 इन्वेस्टमेंट बैंकरों का चुनाव कर सकती है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि फिलहाल कंपनी अपने लिए निवेश बैंकर तलाश रही है और आईसीआईसीआई सिक्योरिटी इस डील की दौड़ में सबसे आगे है। कंपनी इस साल के आखिर तक अपना डीएचआरपी यानी ड्राफ्ट पेपर भी सेबी के पास जमा कर सकती है, जिसके बाद आईपीओ का रास्ता खुल जाएगा। अनुमान है कि एनएसडीएल का आईपीओ 3,500-4,000 करोड़ रुपए तक का हो सकता है। आईपीओ के जरिये कंपनी का वैल्यूएशन 12 से 14 हजार करोड़ रुपए का हो सकता है। आईपीओ को गाइड करने के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के अलावा, एक्सिस कैपिटल, एचएसबीसी सिक्योरिटीज, मोतीलाल ओसवाल, एसबीआई कैपिटल, एचडीएफसी बैंक और आईडीबीआई कैपिटल ने भी कंपनी से संपर्क साधा है। सूत्रों का यह भी कहना है कि इस आईपीओ में आईडीबीआई बैंक और एनएसई भी शामिल होंगे और इसके जरिये दोनों एनएसडीएल में अपनी हिस्सेदारी घटाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। बाजार में लिस्टिंग पूरी होने के बाद एनएसडीएल देश की दूसरी डिपॉजिटरी कंपनी होगी जो बाजार में सूचीबद्ध हो जाएगी। इससे पहले साल 2017 में सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड बाजार में लिस्ट हो चुकी है।

उड़ान, जियोमार्ट के नेतृत्व में भारत का बी2बी ई-कॉम बाजार 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना

बेंगलुरु ।

भारत का बी2बी ई-कॉमर्स बाजार, उड़ान और जियोमार्ट जैसे खिलाड़ियों के नेतृत्व में, 2030 तक सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) 90-100 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह आगे अनुमान लगाया गया है कि भारत में बी2बी सामान्य व्यापार अवसर 2030 तक 1.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा, ई2बी2बी एक आशाजनक डिजिटल खरीद समाधान के रूप में सामने आएगा। अमेरिका और ब्रिटेन सहित विकसित देशों की तुलना में 84 प्रतिशत पर, भारत सामान्य व्यापार में सबसे बड़ा हिस्सा रखता है। यह असंगठित सामान्य व्यापार चैनल है जो भारत के खुदरा बाजार को चला रहा है और एक ही समय-सीमा में 0.7 ट्रिलियन डॉलर से 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक आकार में दोगुना होकर बढ़ता रहेगा। रेडसीर के पार्टनर मृगांक गुटगुटिया ने कहा, 'जहां निर्माताओं के पास सीमित प्रतिस्पर्धी खतरा है, वहीं ईबी2बी चैनल खुदरा विक्रेताओं और ब्रांडों को उनके दिन-प्रतिदिन के कारोबार में कई समस्याओं को हल करने में मदद कर रहा है।' उन्होंने कहा कि भारत के ईबी2बी बाजार में कई मॉडलों की गुंजाइश है, लेकिन व्यापक श्रेणी कवरेज और राष्ट्रीय कवरेज के साथ बहु-श्रेणी का खेल जीतने की संभावना है। ईबी2बी प्लेटफॉर्म कुछ दबाव बिंदुओं को जैसे कि उच्च मूल्य, कोई क्रेडिट विकल्प नहीं, असमय डिलीवरी, और उत्पादों की निम्न गुणवत्ता, अन्यों को प्रभावी ढंग से हल करने में सक्षम रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईबी2बी ने पहले ही ऑफलाइन बाजार में वॉलेट की अच्छी हिस्सेदारी हासिल कर ली है और खुदरा विक्रेताओं को जल्द ही अपना खर्च बढ़ाने का भरोसा है। रिपोर्ट आगे बताती है कि लगभग 50 प्रतिशत गैर-उपयोगकर्ता आने वाले वर्ष में ईबी2बी प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट होने के इच्छुक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भविष्य में भारत में उभरते ब्रांडों के लिए रैली करते हुए असंगठित व्यापार से संगठित डिजिटल व्यापार में बदलाव देखा जाएगा, जिससे ईबी2बी ब्रांड मार्केटिंग और विज्ञापन खर्च के लिए एक वास्तविक चैनल बन जाएगा।'

रुपए में एक साल की सबसे बड़ी तेजी

- विदेशी निवेशकों के भरोसे ने दी मजबूती

नई दिल्ली ।

भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी निवेशकों के भरोसे से रुपए को मजबूती मिली। पिछले कारोबारी सत्र में फॉरेक्स मार्केट में रुपया डॉलर के मुकाबले 0.6 फीसदी चढ़ा, जो एक साल की सबसे बड़ी तेजी मानी जा रही है। इससे पहले सोमवार को रुपया गिरकर डॉलर के मुकाबले 80.12 पर पहुंच गया था, जो आखिर में 79.96 के स्तर पर बंद हुआ था। मंगलवार को भारतीय मुद्रा ने अच्छा कमबैक किया और 79.45 के स्तर पर आ गया। यह एक दिन 0.6 फीसदी की बड़ी उछाल है। जो 27 अगस्त, 2021 के बाद सबसे बड़ी तेजी मानी जा रही है। गौरतलब है कि फॉरेक्स मार्केट में डॉलर अभी दो दशक के सबसे मजबूत स्थिति में चल रहा है। भारतीय शेयर बाजार के लिए विदेशी निवेश के मायने में अगस्त पिछले 20 महीने में सबसे ज्यादा कारगर साबित हुआ। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 6 अरब डॉलर का निवेश किया है, जो दिसंबर, 2020 के बाद सबसे अधिक है। यही कारण रहा कि पिछले कारोबारी सत्र में निफ्टी 50 इंडेक्स 2.7 फीसदी का जबरदस्त उछाल पाने में कामयाब रहा। सिर्फ शेयर बाजार के लिए ही नहीं, बल्कि सरकारी डेट विकल्पों के लिए भी अगस्त का महीना लाभकारी रहा। एचएसबीसी के विशेषज्ञ का कहना है कि कमोडिटी की कीमतें वापस नीचे आ रही हैं और विदेशी मुद्रा का निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। इससे रुपए को सहारा मिलेगा और आने वाले समय में यह और मजबूत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले जहां अन्य मुद्राओं जैसे येन, यूरो और पाउंड पर दबाव जारी रहेगा, वहीं भारतीय मुद्रा कमबैक कर सकती है। आरबीआई भी रुपए को वापस स्थिर करने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि इन कारणों से आने वाले समय में वोलाटिलिटी बढ़ेगी जिससे दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। इसका असर डॉलर की मजबूती पर भी दिखेगा। एशिया की अन्य मुद्राएं जहां दबाव में रहेंगी, वहीं रुपया आरबीआई के सहयोग से वापसी कर सकता है।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेयर बाजार बंद

मुंबई । गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार और विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार बुधवार को बंद रहेंगे। इस दौरान बीएसई और एनएसई में कारोबार नहीं होगा। इससे पहले मंगलवार को बाजार में बड़ा उछाल आया। इस दौरान सेंसेक्स 1,564 अंकों की मजबूती आई। सेंसेक्स में आई यह मजबूती पिछले तीन महीनों के दौरान आया सबसे बड़ा उछाल है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार में 4165.86 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीदारी की। बाजार में मंगलवार को तेजी बैंकिंग, आईटी और पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में जोरदार खरीदारी के कारण आई।

ऑडी इंडिया की सितंबर से महंगी होगी कारें

-एक्स-शोरूम कीमत में 2.4 फीसदी तक की होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

महंगी कारें बनाने वाली कंपनी ऑडी इंडिया सितंबर से अपने सभी मॉडलों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। प्रत्येक मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत में 2.4 फीसदी तक की बढ़ोतरी होगी। कंपनी ऑडी इंडिया ने हाल में ये घोषणा की है। जर्मन निर्माता ने पहले अप्रैल की शुरुआत से कीमतों में तीन प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी।कंपनी ने एक बयान में कहा कि कच्चे माल और सप्लाई चेन की लागत बढ़ने के चलते उसने यह फैसला किया है। बढ़ी हुई कीमतें 20 सितंबर 2022 से प्रभावी होगी.ऑडी इंडिया पेट्रोल मॉडल ए4, ए6, ए8 एल, क्यू5, क्यू7, क्यू8, एस5 स्पोर्टबैक, आरएस 5 स्पोर्टबैक और आरएस क्यू8 की बिक्री करती है।इसके अलावा कंपनी भारत में ई-ट्रॉन 50, ई-ट्रॉन 55, ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक 55, ई-ट्रॉन जीटी और आरएस ई-ट्रॉन जीटी जैसी इलेक्ट्रिक कारें भी बेचती है। इनमें से कुछ कारों की एक्स शोरूम कीमत एक करोड़ रुपये से ज्यादा है।अगर प्रतिशत के हिसाब से देखा जाए तो कुछ कारों पर 2 लाख रुपये से ज्यादा कीमत बढ़ जाएगी।ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, 'ऑडी इंडिया में हम एक स्थायी व्यापार मॉडल के लिए प्रतिबद्ध हैं।कच्चे माल और सप्लाई चेन की बढ़ती लागत के चलते हमें अपने मॉडलों की कीमतों में 2.4 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की जरूरत है.'इस साल हर सेगमेंट में कारों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।लगभग सभी कंपनियों ने बढ़ती इनपुट लागत को इस बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार ठहराया है।लग्जरी कार सेगमेंट को बड़े पैमाने पर कीमतों में बढ़ोतरी कम ही देखने को मिलती है। हालांकि, हो सकता है आगामी फेस्टिव सीजन को देखते हुए जर्मन ब्रांड ने यह फैसला लिया हो।भारत में मोटर वाहन उद्योग अगस्त और अक्टूबर के महीनों के बीच अपना बेस्ट बिजनेस करने का ट्रेंड रखता है।पैसेंजर व्हीकल सेगमें काफी मजबूती बनी हुई है.भारत में हाल ही में नई ऑडी क्यू3 की बुकिंग शुरू हो गई है।कपनी क्यू3 के नए मॉडल को जल्द ही लॉन्च कर सकती है।ग्राहक ऑनलाइन या डीलरशिप के जरिए 2 लाख रुपये देकर इसे बुक कर सकते हैं।

सीमाशुल्क विभाग आयातित वस्तुओं के लिए एक समान जांच प्रणाली शुरू करेगा

नई दिल्ली । सीमा शुल्क विभाग आयातित वस्तुओं को मंजूरी प्रदान करने के लिए देश में ऐसी प्रणाली शुरू करने की योजना बना रहा है जिसमें आमना-सामना हुए बिना मूल्यांकन किया जाता है। इसकी शुरुआत पांच सितंबर से धातु की आयातित वस्तुओं के साथ की जाएगी। बताया जा रहा है कि इससे सीमा शुल्क जांच में एकरूपता आएगी, माल की खेप को मंजूरी मिलने में समय कम लगेगा और कारोबारी सुगमता बढ़ेगी। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने अधिकारियों के लिए जारी परिपत्र में कहा है कि नेशनल कस्टम्स टारगेटिंग सेंटर (एनसीटीसी) ने विभिन्न मानकों के आधार पर बिल ऑफ एंट्री (बीओई) के लिए प्रणाली जनित केंद्रीकृत जांच आदेश विकसित किया है और इसे चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह जांच बीओई के लिए दूसरी जांच होगी। इसमें माल को भौतिक जांच के लिए भेजा जाना अनिवार्य नहीं होगा बल्कि सीमा शुल्क अधिकारी आयातित सामान का आकलन अधिकारियों के समक्ष जमा किए गए दस्तावेजों के आधार पर करेंगे। बीओई को आयातक या उनके एजेंट आयातित सामान के आने से पहले सीमा शुल्क विभाग में जमा करते हैं। सीबीआईसी ने कहा कि यह निर्णय हुआ है कि मानकीकृत सीमा शुल्क जांच प्रक्रिया की शुरुआत धातु की वस्तुओं के निरीक्षण के साथ पांच सितंबर 2022 से शुरू की जाएगी। इससे जांच में एकरूपता आने, इसमें लगने वाला समय और लागत कम होने का अनुमान है।

7 सितंबर को एप्पल वॉच और आईफोन 14 हो सकते हैं लॉन्च

-एप्पल ने लॉन्चिंग इवेंट आयोजित करने की घोषणा की

नई दिल्ली ।

आईफोन मेकर्स कंपनी ऐप्पल ने 7 सितंबर को लॉन्चिंग इवेंट आयोजित करने की घोषणा की है। एप्पल आने वाले इवेंट में आईफोन 14 सीरीज और एप्पल वॉच 8 सीरीज को लॉन्च कर सकती है। कंपनी ने इस मेगा इवेंट के लिए मीडिया को इनविटेशन भेजा है। इवेंट की टैग लाइन 'फार आउट' है और इसे ऐपल की वेबसाइट पर स्ट्रीम किया जाएगा। ऐपल इंक के लिए आईफोन लॉन्च करना हमेशा एक बड़ा मोमेंट रहा है। पिछले साल बड़ी तादाद में आईफोन बिके थे, लेकिन इस साल कंपनी पर अतिरिक्त दबाव है क्योंकि कंपनी कन्जयूमर स्पेंडिंग में कमी और आर्थिक मंदी का सामना कर रही है। ऐसे में स्मार्टफोन उद्योग में खरीदारों को लुभाने के लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की जरूरत है। कंपनी आने वाले महीनों में सामान्य से अधिक एम्बीशियस प्रोडक्टस को पेश करने की योजना बना रही है, जबकि सितंबर में होने जा रहे इवेंट में आईफोन 14 और एप्पल वॉच सीरीज 8 कंपनी के अहम प्रोडक्ट होंगे। इसके अलावा कंपनी नए एप्पल मेक, आईपेड, एयरपॉडस और आईओएस 16 भी पेश कर सकती है। बता दें कि इस साल ये ऐपल का तीसरा इवेंट है। इससे पहले कंपनी ने जून में डेवलपर सम्मेलन में आईओएस16, मेकओएस वेंचुरा और अन्य नए सॉफ्टवेयर फीचर पेश किए थे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल और डीजल महंगा, लखनऊ में सस्ता

नई दिल्ली ।

बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में ईंधन की खपत में कमी आने की वजह से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है, जिसका असर बुधवार को पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा। बुधवार को यूपी के नोएडा-ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ गए जबकि राजधानी लखनऊ में सस्ते हुए हैं। जबे कि सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बुधवार को भी देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है. लेकिन, यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 36 पैसे बढ़कर 97 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 32 पैसे महंगा होकर 90.14 रुपए लीटर हो गया। हालांकि, लखनऊ में पेट्रोल के भाव 13 पैसे गिरकर 96.44 रुपए प्रति लीटर पहुंच गए, जबकि डीजल 12 पैसे घटकर 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। अगर कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव 5 डॉलर गिरकर 99.77 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यू टीआई 4.5 डॉलर घटकर 92.13 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

सिडनी थंडर ने वार्नर के साथ दो साल का करार किया

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर एक बार फिर बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते नजर आयेंगे। वार्नर ने बीबीएल टीम सिडनी थंडर के साथ दो साल का करार किया है। यह तीसरी बार है जब वार्नर थंडर की ओर से खेलेंगे। वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 96 टेस्ट, 133 एकदिवसीय और 91 टी20 खेले हैं। वार्नर ने कहा, जिस क्लब से मैंने शुरुआत की थी बिग बैश में उसी के साथ वापस जुड़ने को लेकर में बेहद खुश हूं। साथ ही कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में मुझे जिन हालातों में खेलने का आनंद मिलता है, वे बड़े पैमाने पर अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुकाबले से मिले हैं। इस बल्लेबाज ने कहा है कि बीबीएल में योगदान कर वह आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को लाभ पहुंचाना चाहते हैं। वार्नर ने यह भी कहा कि उनके परिवार ने बीबीएल में लौटने के उनके फैसले को प्रभावित किया था। मेरी बेटियों ने तक ने मुझसे कहा है कि वे मुझे घर पर और बीबीएल में खेलते देखना पसंद करेंगी। वहीं एक परिवार के रूप में बीबीएल का हिस्सा बनकर मुझे बेहद अच्छा लग रहा है। वहीं सिडनी थंडर के मुख्य हेड कोच ट्रेवर बेलिस ने कहा कि वार्नर के करार करने से बीबीएल और थंडर नेशन पर जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा। उसके आने से युवा खिलाड़ियों को जहां अच्छा अनुभव हासिल होगा। वहीं युवाओं को खेल से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

श्रीकांत जापान ओपन बैडमिंटन के अगले दौर में पहुंचे , लक्ष्य हारे

ओसाका।

भारत के किदांबी श्रीकांत जीत के साथ बी जापान ओपन बैडमिंटन के अगले दौर में पहुंच गये हैं। श्रीकांत ने चीन के ली जी जिया को पुरुष एकल के सीधे गेम में 22-20, 23-21 से हराया। श्रीकांत और ली के बीच यह मुकाबला 37 मिनट तक चला। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत के ही लक्ष्य सेन हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। लक्ष्य को पुरुष एकल मुकाबले में जापान के ही केंटा निशिमोतो ने 21-18, 14-21, 13-21 से हराया। दोनो के बीच यह मुकाबला एक घंटे से अधिक समय तक चला। लक्ष्य को निशिमोतो से पहली बार हार मिली है। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत के ही एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी को दक्षिण कोरिया के चोई सोल ग्यू और किम वॉन हो के हाथों 21-19, 21-23, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा है। एक अन्य मिश्रित युगल मुकाबले में जूही देवांगन और वेंकट गौरव प्रसाद की जोड़ी को चीन के झेंग सी वेई और हुआंग या किओंग की शीर्ष वरीय जोड़ी ने 11-21, 10-21 से हराया। यह मुकाबला आधे घंटे से भी कम समय में समाप्त हो गया। पहले पुरुष एकल में ली से मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी श्रीकांत ने संघर्ष क्षमता का परिचय दिखाते हुए ली को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। एक समय श्रीकांत 15-11 से आगे थे पर इसके बाद उन्होंने गलती से ली को लगातार तीन अंक बनाने का अवसर दे दिया। श्रीकांत ने इसके बाद पांच अंक बनाकर अच्छी बढ़त हासिल की और फिर पहला गेम जीत लिया। चीनी खिलाड़ी ने दूसरे गेम में वापसी के इरादे से उतरते हुए शुरूआत में ही बढ़त ले ली। एक समय वह 14-11 से आगे थे पर श्रीकांत ने शीघ्र ही 18-16 से बढ़त बनाई और 20-18 के स्कोर पर वह मैच जीतने के करीब पहुंच गये। ली ने हालांकि दो मैच अंक बचाए और स्वयं गेम अंक हासिल किया पर श्रीकांत ने तीन अंक बनाकर मैच को आगे नहीं जाने दिया। वहीं दूसरे पुरुष एकल में लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शीघ्र ही 7-2 और फिर 15-9 से बढ़त हासिल कर ली। लक्ष्य ने पहला गेम आसानी से जीत लिया। . लक्ष्य ने दूसरे गेम में भी अच्छी शुरुआत करके 8-4 से बढ़त हासिल की पर इसके बाद वह अपनी लय बनाये नहीं रख पाये।

निशिमोतो ने इसका पूरा लाभ उठाते हुए मुकाबले में हावी होकर मैच अंक हासिल कर जीत दर्ज की।

कीवी ऑलराउंडर ग्रैंडहोम ने क्रिकेट से संन्यास लिया

वैलिंगटन ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 36 साल के ग्रैंडहोम ने कहा कि कहा कि उन्होंने क्रिकेट बोर्ड से बातचीत के बाद ही खेल को अलविदा कहने की घोषणा की है। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि केन्द्रीय अनुबंध न मिलने के कारण इस खिलाड़ी ने यह फैसला किया है। इस खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, 'मैं स्वीकार करता हूं कि मैं अब फिर से जवान तो हो नहीं रहा और मेरे लिए ट्रेनिंग हर दिन के साथ ही कठिन होती जा रही है। खास कर चोटों की वजह से चीजें काफी कठिन हो गई हैं। साथ ही मेरा परिवार भी बढ़ रहा है। ऐसे में मुझे वहां भी समय देना है। इसलिए मैं अब क्रिकेट के बाद अपने भविष्य को लेकर भी विचार कर रहा हूं।' गौरतलब है कि अपने करियर के दौरान ग्रैंडहोम हमेशा ही अपनी फिटनेस को लेकर संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने कीवी टीम की ओर से अपना अंतिम मुकाबला इसी साल जून में खेला था। ग्रैंडहोम ने अपने पुरे क्रिकेट करियर में न्यूजीलैंड की ओर से 115 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 118 पारियों में 2679 रन बनाये हैं। इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम दो शतक और 15 अर्द्धशतक हैं। बल्लेबाजी के अलावा वह गेंदबाजी में भी सफल रहे हैं। उन्होंने 91 विकेट लिए हैं। उन्होंने आईपीएल में भी कुल 25 मुकाबले खेलते हुए 21 पारियों में 18.9 की औसत से 303 रन बनाये।

सैम क्वेरी ने यूएस ओपन के पहले दौर में हार के बाद टेनिस कहा अलविदा

न्यूयॉर्क : कभी नोवाक जोकोविच, एंडी मर्रे और राफेल नडाल पर बड़ी जीत दर्ज करने वाले अमरीका के सैम क्वेरी ने यूएस ओपन के पहले दौर में हारने के बाद टेनिस से संन्यास ले लिया। कैलिफोर्निया के रहने वाले क्वेरी ने मंगलवार की रात को अपने करियर का आखिरी मैच बेलारूस के इल्या इवाश्का से खेला जिसमें उन्हें 4-6, 6-4, 7-6 (8), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। क्वेरी की अपने करियर में सर्वोच्च रैंकिंग 11 रही। उन्होंने 2017 में विंबलडन में तत्कालीन नंबर एक खिलाड़ी एंडी मर्रे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे एक साल पहले वह नंबर एक जोकोविच को हराकर इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। इसके अलावा उन्होंने 2019 में विंबलडन और 2017 में यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई थी। क्वेरी ने कहा, 'मैंने यह सोचकर ही यूएस ओपन में भाग लिया था। और मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। पिछले छह सप्ताह काफी अच्छे रहे।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरे वनडे में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत, श्रृंखला में अजेय बढ़त बनाई

टाउन्सविले (ऑस्ट्रेलिया)।

मिशेल स्टार्क की अगुवाई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को सस्ते में समेट कर दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां आठ विकेट से बड़ी जीत दर्ज करके तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। स्टार्क ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए और जिंबाब्वे के शीर्ष क्रम को लड़खड़ाने में अहम भूमिका निभाई। जिम्बाब्वे इन शुरुआती झटकों से आखिर तक नहीं कर पाया और उसकी टीम 27.5 ओवर में 96 रन पर आउट हो गई। स्टार्क के अलावा ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एडम जंपा ने 21 रन देकर तीन और कैमरन ग्रीन ने सात रन देकर दो विकेट लिए। जिम्बाब्वे की तरफ से सीन विलियम्स ने सर्वाधिक 29 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने 14.4 ओवर में आठ विकेट पर 100 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। उसकी तरफ से स्टीव स्मिथ ने नाबाद 47 और अलेक्स कैरी ने नाबाद 26 रन बनाए। डेविड वॉर्नर (13) और कप्तान आरोन फिंच (एक) के जल्दी आउट होने के बाद स्मिथ और कैरी ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की अटूट साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला का पहला मैच 99 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से जीता था।

तीसरा और अंतिम मैच इसी मैदान पर शनिवार को खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मुक्केबाज निकहत नये अंदाज में नजर आयीं

नई दिल्ली । राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण विजेता महिला मुक्केबाज निकहत जरीन अब एक नये अंदाज में नजर आयीं हैं। निकहत ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा की हैं। इनमें वह बेहतर खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को देखकर कोई अंदाजा नहीं लगा सकता है कि यह कोई मुक्केबाज है। निकहत इन स्टायलिश तस्वीरों में किसी अभिनेत्री या मॉडल की तरह नजर आ रही हैं। वह जल्द ही कमेडी टीवी शो 'द कपिल शर्मा शो ' में भी दिखेंगी। कपिल शर्मा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर निकहत के साथ एक तस्वीर साझा की है। निकहत ने राष्ट्रमण्डल से पहले विश्व चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था। तेलंगाना की निकहत ने साल 2011 में एआईबीए जूनियर चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था। इस महिला मुक्केबाज को शुरुआती प्रशिक्षण पिता जमील अहमद ने दिया था। इसके बाद कोच आईवी राव के मार्गदर्शन में वह निरंतर आगे बढ़ती रही हैं।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए 20 पहलवानों के नाम की घोषणा हुई

10 पहलवान ग्रीको रोमन व 10 फ्री स्टाइल वर्ग से चयनित

सोनीपत । 10 सितंबर से सर्बिया में होने वाली विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए 20 पहलवानों का चयन किया गया है। इनमें 10 पहलवान ग्रीको रोमन वर्ग के जबकि 10 फ्री स्टाइल वर्ग से लिए गये हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (साई) सोनीपत में ट्रायल के आधार पर ही इन पहलवानों का चयन हुआ है। इस दौरान सोनीपत के पंकज ने पहलवान राहुल अवारे को हराकर प्रवेश हासिल किया। ट्रायल के दौरान भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी उपस्थित थे। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में 10 सितंबर से 18 सितंबर होगी। इस टूर्नामेंट के लिए चयनित पहलवानों ने कहा कि वह विश्व चैंपियनशिप में पहुंचकर देश का नाम रोशन करना चाहते हैं। वहीं विश्व चैंपियनशिप में पहली बार पहुंच रहे नवीन मलिक को राष्ट्रमण्डल में कांस्य पदक मिला था। अब उनका लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना है। वहीं फ्री स्टाइल में पंकज ने अवारे को हराकर बड़ा उलटफेर किया। चयनित पहलवानों में ग्रीको रोमन वर्ग में ज्ञानेंद्र दहिया, नीरज, आशु, सुनील मलिक और सतीश तथा फ्री स्टाइल में पंकज, नवीन, रवि दहिया व बजरंग पूनिया हैं।

दुबई ओपन शतरंज : प्रज्ञानंधा की हकोबयन पर शानदार जीत

दुबई ,यूएई (निकलेश जैन)

22वे दुबई ओपन इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दिन भारत के 17 वर्षीय ग्रांड मास्टर प्रज्ञानंधा नें अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की ,इसके साथ ही अब वह कजाकिस्तान के रिनात जुमबाएव के साथ 4 अंक बनाने वाले अकेले खिलाड़ी है और अगले राउंड में दोनों की टक्कर टूर्नामेंट महत्वपूर्ण बन गयी है । सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए प्रज्ञानंधा नें अर्मेनिया के अरम हकोबयन को सिसिलियन नजडोर्फ ओपनिंग में 48 चालों में पराजित किया इस जीत के साथ अब प्रज्ञानंधा की लाइव रेटिंग 2685 अंको पर पहुँच गयी है और यह साफ है की 2700 अंको को छूने वाले भारत के वह आठवे खिलाड़ी जल्द ही बनेंगे । वहीं पहली टेबल पर खेल रहे अर्जुन एरिगासी नें सर्बिया के इंडजीक अलेक्ज़ेंडर से अपनी बाजी ड्रॉ खेली । वहीं तीसरे टेबल पर भारत के वैभव सूरी को रिनात जुमबाएव से हार का सामना करना पड़ा । भारत के युवा फीडे मास्टर आयुष शर्मा नें लगातार दो राउंड में दो उलटफेर किए है और उन्होने पहले एमएस तेजकुमार और फिर अर्जुन कल्याण को हराकर सयुंक्त दूसरा स्थान हासिल कर लिया है । 9 राउंड के इस टूर्नामेंट में 4 राउंड के बाद प्रज्ञानंधा और रिनात 4 अंक तो भारत के अर्जुन एरिगासी, एसपी सेथुरमन आयुष शर्मा ,सर्बिया के इंडजीक ,रूस के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके यूएसए के वल्दिमीर अकोपियन 3.5 अंक बनाकर खेल रहे है ।

लीजेंड्स लीग का दूसरा सत्र अगले माह, गंभीर भी शामिल होंगे

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर अगले माह होने वाले लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे संस्करण में खेलते हुए नजर आयेंगे। गंभीर ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं 17 सितंबर से आगामी लीजेंड्स लीग क्रिकेट में भाग लेने के लिए तैयार हूं। मैं एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर होने को लेकर उत्साहित हूं। एक बार फिर से विश्व क्रिकेट खेलना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात होगी। वहीं लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सह-संस्थापक और सीईओ रमन रहेजा ने कहा, 2011 विश्व कप फाइनल में 97 रन बनाने वाले गंभीर को सभी खेलते हुए देखने को लेकर उत्साहित होंगे। मुझे भरोसा है कि प्रशंसक सत्र 2 में गौतम और अन्य प्रतिष्ठित खिलाड़ियों से पहले की तरह का ही प्रदर्शन चाहेंगे। इंडिया महाराजाओं और वर्ल्ड जायंट्स के बीच एक विशेष मैच 16 सितंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा और 17 सितंबर से लीजेंड्स लीग का दूसरा संस्करण शुरू होगा। इसमें भारत महाराजाओं का नेतृत्व पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली करेंगे जबकि वर्ल्ड जायंट्स की कप्तानी इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन के पास होगी। इस मैच में 10 देशों के खिलाड़ी भी भाग लेंगे।

शमी को एशिया कप से बाहर रखना गलत : मदनलाल

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मदनलाल एशिया कप क्रिकेट के लिए मो शमी को टीम में शामिल नहीं करने से नाराज हैं। मदनलाल ने कहा कि जसप्रीत बुमराह के बाद शमी ही सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। भारतीय टीम को हालांकि भुवनेश्वर कुमार , अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या की अच्छी गेंदबाजी से अब तक शमी की कमी महसूस नहीं हुई है। भारतीय टीम ने पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। बुमराह भी चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट के लिए शामिल नहीं किये गये थे। मदन लाल ने कहा कि शमी एक बेहतरीन गेंदबाज है। उसने पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए विकेट लेना जरुरी रहता है और शमी इसमें काफी सफल रहे हैं। एशिया कप में पाक के खिलाफ भुवनेश्वर और अर्शदीप का प्रदर्शन शानदार रहा था। भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 26 रन देकर कुल 4 विकेट जबकि अर्शदीप ने 3.5 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट लिए थे। इसके अलावा हार्दिक पंड्या ने 17 गेंदों में 33 रनों की नाबाद पारी भी खेली थी। उन्होंने पाक के खिलाफ 3 विकेट भी लिए थे। मदन लाल 1982 विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल रहे थे। वह चयन समिति के प्रमुख भी रहे हैं।

भारतीय ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत ने बोले- फिनिशिंग में सुधार पर ध्यान रहेगा

बेंगलुरू ।

स्टार ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम आगामी एफआईएच हॉकी प्रो लीग की तैयारी के अंतर्गत अपने फिनिशिंग (प्रयास को गोल में तब्दील करना) कौशल पर काम करेगी। इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम 28 अक्टूबर से शुरू हो रही हॉकी प्रो लीग की तैयारियों से पहले सोमवार से यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में शिविर में हिस्सा ले रही है। हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में हरमनप्रीत ने कहा, 'हम अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगे और मुख्य रूप से हमारा ध्यान हमेशा अपनी फिनिशिंग में सुधार और खिलाड़ियों के बीच समन्वय तथा संयोजन में सुधार पर रहता है। उन्होंने कहा, 'हम इस बात पर ध्यान केंद्रित करेंगे कि खिलाड़ियों के बीच से गेंद को ले जाते वक्त हम अपने समय में सुधार कैसे कर सकते हैं और गेंद को रक्षण से आक्रमण तक ले जाते समय अपने समय में कैसे सुधार कर सकते हैं। हरमनप्रीत ने कहा, 'हमारे लिए हर मैच महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य हमेशा प्रत्येक मैच जीतना रहा है। विश्व कप से पहले हमारे पास ज्यादा समय नहीं बचा है। इसलिए टूर्नामेंट से पहले हमें जितने अधिक मैच खेलने को मिलेंगे उतना ही अधिक हमारे लिए फायदेमंद होगा। एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए पूल ड्रॉ आठ सितंबर को होगा और हरमनप्रीत ने कहा कि टीम अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हम विश्व कप ड्रॉ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। हमें मैच खेलना है और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है, फिर चाहे हम किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेल रहे हों। हमें अपना खेल और अपनी ताकत दिखानी होगी और सकारात्मक परिणाम हासिल करने होंगे। विश्व कप अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में होना है।

भारतीय टीम ने बर्मिंघम में फाइनल में आस्ट्रेलिया से 0-7 से हारने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था।

क्रिकेट के साथ ही दूसरे काम कर अपना घर चलाते हैं हांगकांग के क्रिकेटर : कोच

दुबई । हांगकांग क्रिकेट टीम के कोच ट्रेंट जॉनसन ने अपनी टीम के खिलाड़ियों के जोश और जज्बे की जमकर तारीफ की हैं। कोच ने कहा कि टीम ने जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है वह तारीफ के काबिल है। टीम पिछले तीन माह से लगातार खेल रही है। ऐसे में खिलाड़ियों के पास इतना भी समय नहीं है कि वे अपने बच्चों से भी मिल सकें। हांगकांग की टीम ने पिछले तीन महीनों में एशिया कप की तैयारियों के लिए काफी कुछ त्याग किये हैं। कोच ने कहा, 'हमारे दल में शामिल ज्यादातर खिलाड़ियों को क्रिकेट हांगकांग से जो पैसा मिलता है वह पर्याप्त नहीं है। इसलिए खिलाड़ियों को दूसरे काम भी करने पड़ते हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के पास क्रिकेट के अभ्यास के लिए कम समय ही होता है। उसी समय में अभ्यास के बल पर विश्व की शीर्ष टीमों से खेलना बड़ी बात है।' जॉनसन ने कहा, 'कोरोना के कारण पिछले एक साल तक खिलाड़ी अभ्यास नहीं कर पाए। वो अपने घरों, कार पार्किंग और पार्क में वीडियो कॉल पर स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग सत्र में भाग लेते थे। उन्होंने किसी शिकायत के बिना यहां तक का सफर तय किया है।' जॉनसन ने आगे कहा, 'हमारे तीन या चार खिलाड़ी क्रिकेट की कोचिंग देते हैं। वो क्लब से भी जुड़े हुए हैं।टीम के ज्यादातर खिलाड़ी फूड डिलीवरी बॉय का काम करते हैं।टीम के उप-कप्तान किंचित शाह का हीरे का कारोबार है। वहीं स्कॉट मैक्नी का अपना व्यवसाय है। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज आयुष शुक्ला यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे हैं। वहीं कुछ खिलाड़ी दूसरी नौकरियां कर रहे हैं। ये सभी बीते 3 महीने से अपने परिवार से दूर हैं। इसके बाद भी किसी ने भी घर जाने की बात नहीं की है।

राज्य के 4000 गाँवों में फ्री वाई-फ़ाई की सुविधा पहुँचाने का संकल्प है : मुख्यमंत्री

खेडा । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को खेडा ज़िले में ठासरा एवं गळतेश्वर तहसीलों की जनता की सुख-सुविधा की 62.82 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का ई-शिलान्यास व लोकार्पण करते हुए कहा कि डिजिटल इंडिया को प्रत्येक गाँव तक पहुँचाने का संकल्प है। पटेल ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान अंतर्गत राज्य के 400 गाँवों में फ़री वाई-फ़ाई सुविधा पहुँचाई जाएगी। इस हेतु राज्य के इस वर्ष के बजट में वित्तीय प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में गुजरात ने अगुवाई ली है। मुख्यमंत्री ने कहा, च्प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में आरंभ की गई गुजरात की विकास यात्रा को हम अंतिम छोर के मानव को केन्द्र में रख कर आगे बढ़ा रहे हैं।ज उन्होंने कहा कि गुजरात को पिछले 8 वर्षों से डबल इंजन सरकार का लाभ मिल रहा है, जिसके फलस्वरूप गुजरात दुगुनी गति (डबल स्पीड) से आगे बढ़ रहा है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि खेडा ज़िले में आज संवत्सरी तथा गणेश चतुर्थी के पावन पर्वों पर विकास का यज्ञ आरंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि शुभ कार्यों के लिए सदैव सर्वप्रथम गणपति को याद करना पड़ता है। इसी के अंतर्गत आज गणेश चतुर्थी के पवित्र दिवस पर खेडा ज़िले में अनेकविद् लोकोपयोगी विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार अंतिम छोर के मानव तक योजनाओं के लाभों के साथ विकास कार्य पहुँचाने के सन्निष्ठ प्रयास कर रही है। सरकार ने अंतिम छोर के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक सड़क, बिजली, पानी सहित अनेकविद् प्राथमिक एवं अंतरढाँचागत सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक तहसील में अंतिम छोर के गाँव तक विकास पहुँचा है। उन्होंने कहा कि दो दशक पूर्व राज्य में बिजली, पानी, सड़क जैसी आधारत सुविधाओं के अभाव में उद्योग-धंधे तहसील एवं ग्रामीण स्तर तक नहीं पहुँचे थे और उद्योगों का विकास अवरुद्ध हुआ था। इस सरकार ने इन कमियों को पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड के कठिन काल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशबांधवों ने संकट का प्रभावी रूप से सामना किया। इसकी भूमिका देते हुए पटेल ने कहा कि समय रहते

कोरोना रोधी वैक्सीन के माध्यम से देश इस आपदा के काल से बाहर आ गया। कोरोना काल में धंधे-रोज़गार खोने वालों के साथ रह कर सरकार ने यह चिंता भी की है कि कोई भी दरिद्रनारायाण भूखा न सोए। आज भी इस सेवा यज्ञ के माध्यम से लाखों लोगों को निःशुल्क अनाज दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद गुजरात राज्य ने सबसे बड़ा बजट दिया है। नीति आयोग के अनुसार गुजरात वित्तीय प्रबंधन में देश भर में प्रथम स्थान पर है और तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।

केन्द्रीय संचार मंत्री देवूसिंह चौहाण ने कहा कि आज खेडा की धरती पर स्वर्ण सूर्य का उदय हुआ है। मुख्यमंत्री के करकमलों से विकास का श्री गणेश हुआ है। आज समग्र खेडा ज़िले में 100 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया है। गुजरात की जनता की परिपक्वता के साथ सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता के कारण गुजरात में आज विकास के अनेकविद् कार्य हो रहे हैं।

राज्य के ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण गृह निर्माण मंत्री अर्जुनसिंह चौहाण ने कहा कि सबके साथ-सबके विकास के मंत्र को समर्पित सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात को विकास की नई दिशा दिखाई है। राज्य में जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन द्वारा अंतिम छोर के मानव तक योजनाओं के लाभ पहुँचे हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ई-तकती अनावरण द्वारा ठासरा एवं गळतेश्वर तहसीलों के अनुमानित 62.82 करोड़ रुपए के 72 विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया। इस समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने केन्द्र व राज्य सरकार की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन अर्थात् एनआरएलएम) योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, मातृशक्ति योजना, आंबेडकर आवास योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता चेक व किट्स का वितरण किया।

गुजरात चुनाव से पहले भाजपा करेगी मेयर कांफ्रेंस, जेपी नड्डा करेंगे उदघाटन

अहमदाबाद।

गुजरात चुनाव से पहले भाजपा ने राज्य में मेयर कांफ्रेंस का आयोजन किया है। भाजपा शासित सभी शहरों के महापौर इस कांफ्रेंस में शिरकत करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मेयर कांफ्रेंस का उदघाटन करेंगे। बता दें कि गुजरात विधानसभा के चुनाव इस साल के अंत में होने हैं और उसे जीतने के लिए भाजपा समेत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी 'आप' एडीचोटी का जोर लगा रही हैं। आप के मैदान में उतरने से अबकी बार गुजरात विधानसभा के चुनाव त्रिकोणीय मुकाबला होना तय है। आप ने गुजरात के राजनीतिक इतिहास में नई पहल करते हुए कई उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। दूसरी ओर चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं की गुजरात में आवाजाही बढ़ गई है। अब गुजरात चुनाव से पहले भाजपा ने मेयर कांफ्रेंस का आयोजन किया है, जिसमें भाजपा शासित सभी शहरों के मेयर शामिल होंगे। आगामी 15 सितंबर के बाद होने वाली मेयर कांफ्रेंस का उदघाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। मेयर कांफ्रेंस में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष के भी उपस्थित रहने की संभावना है। इस कांफ्रेंस में पीएम मोदी के विकास मॉडल पर चर्चा की जाएगी और श्रेष्ठ कार्य के लिए मेयर अवार्ड भी दिया जाएगा।

ऊंझा एपीएमसी के फर्जी लाइसंसधारी के नाम पर 600 करोड़ की टेक्स चोरी का पर्दाफाश

अहमदाबाद।

ऊंझा एपीएमसी के फर्जी लाइसंस धारक के नाम पर 600 करोड़ रुपए की टेक्स चोरी का पर्दाफाश हुआ है। यह पर्दाफाश तब हुआ जब बैंक खाते में करोड़ों का ट्रांजेक्शन होने पर आयकर विभाग ने नोटिस जारी की। आयकर विभाग की कार्यवाही से बचने के लिए आरोपी पूरा षडयंत्र रचा। इस खुलासे के बाद 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक ऊंझा एपीएमसी

मार्केट का नकली लाइसंस के आधार पर अलग अलग बैंकों में करंट एकाउंट खुलवाकर रु. 500 से रु. 600 करोड़ का ट्रांजेक्शन किया गया। इस पूरे मामले में एक करोड़ के ट्रांजेक्शन पर रु. 10 हजार कमीशन दिया जाता था। बैंक खातों में करोड़ों का ट्रांजेक्शन सामने आने पर आयकर विभाग की नोटिस के बाद पूरे मामले का पर्दाफाश हुआ। इस खुलासे के बाद अहमदाबाद की घाटलोडिया पुलिस ने धारक पटेल, योगेश मोदी, चिन्मय पटेल, मौलिक पारेख, ऋतुल पटेल और उदय मेहता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने के साथ ही धारक पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि मामले की शिकायतकर्ता ही आरोपी निकला। आरोपियों ने बैंक में करंट एकाउंट खुलवाकर करोड़ों रुपए के ट्रांजेक्शन किए थे। ये एकाउंट धारक पटेल के नाम से ऊंझा एपीएमसी मार्केट का फर्जी लाइसंस के आधार पर खुलवाए गए थे। आयकर विभाग को जब धारक पटेल के खातों में करोड़ों के ट्रांजेक्शन का पता चला तो उसने नोटिस जारी किया। इस मामले में ब्लैक मनी को व्हाइट कर आयकर की टेक्स चोरी की गई थी। इसलिए अब इसकी जांच आयकर विभाग के साथ ही ईडी ने भी जांच शुरू की है। अन्य आरोपियों के पकड़े जाने के बाद नए खुलासे होने की संभावना है।

सिलवासा की स्कूल में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, वाइस प्रिन्सिपल और शिक्षक गिरफ्तार

अहमदाबाद।

गुजरात से सटे संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली की एक मिशनरी स्कूल से शिक्षा जगत को लांछन लगाने वाली घटना सामने आई है। स्कूल के वाइस प्रिन्सिपल और शिक्षक ने छात्रा के साथ कई बार ना सिर्फ दुष्कर्म किया बल्कि उसे जान से मार देने की धमकी भी दी।

तबियत बिगड़ने पर छात्रा को जब अस्पताल में भर्ती कराया गया, तब पूरी घटना का पर्दाफाश हुआ। जिसके बाद हरकत में आई सिलवासा पुलिस ने स्कूल के वाइस प्रिन्सिपल और शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया।

दूसरी ओर डिप्टी कलेक्टर ने अगले आदेश तक स्कूल को बंद करने का आदेश दे दिया है। जानकारी के मुताबिक दादरा नगर हवेली के सामरवाणी क्षेत्र स्थित अवर लेडी हेल्प नामक स्कूल में पढ़ाई करने वाली छात्रा के साथ इसी स्कूल के संचालक व वाइस प्रिन्सिपल माइकल नुंन्स और शिक्षक लेस्टर जोकविन डिकोस्टा समेत दो लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया।

वाइस प्रिन्सिपल और शिक्षक ने एक बार नहीं बल्कि कई बार छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। वाइस प्रिन्सिपल और शिक्षक की करतूत का तब खुलासा हुआ जब तबियत बिगड़ने पर उसे पहले सिलवासा और उसके बाद सूरत के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूरत के बाद छात्रा को मुंबई के अस्पताल दाखिल किया गया। मुंबई के अस्पताल ने पुलिस को छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म की जानकारी दी।

जिसके बाद हरकत में आई सिलवासा पुलिस ने वाइस प्रिन्सिपल माइकल नुंस और शिक्षक लेस्टर जोकविन डिकोस्टा को गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष पेश किया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 3 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। दूसरी ओर दादरा नगर हवेली के डिप्टी कलेक्टर ने अगले आदेश तक स्कूल बंद करने का आदेश दिया है।

गुजरात में बरसाती सिस्टम सक्रिय, तीन दिन कई जिलों में होगी सामान्य से भारी बारिश

अहमदाबाद। गुजरात में फिर एक बार बरसाती सिस्टम सक्रिय हो गया है और आगामी तीन दिन के दौरान राज्य के कई जिलों में सामान्य से भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में अगले तीन दिन भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, तापी और डांग में भारी बारिश हो सकती है। वहीं मध्य गुजरात के छोटाउदेपुर के अलावा सौराष्ट्र के अमरेली, देवभूमि द्वारका, जूनागढ़, पोरबंदर और गिर सोमनाथ में भी अच्छी बारिश होने की संभावना है। करीब एक सप्ताह के विराम के बाद बीते दिन मेघा की पुनर्वापसी हुई है। बीते दिन राज्य के कई जिलों में अच्छी बारिश हुई थी। एक सप्ताह वडोदरा में बारिश हुई। वडोदरा के कारेलीबाग, समा, निजामपुरा, सयाजीगंज, रावपुरा, अलकापुरी इत्यादि में बारिश होने से शहर के लोगों को गर्मी से राहत मिली है। आज अहमदाबाद के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। हांलाकि आधा घंटे के बाद बारिश रुक गई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिनों के दौरान राज्य के कई जिलों में सामान्य से भारी बारिश हो सकती है।

श्री गणेश जी की शोभा यात्रा में स्टंट कर रहा युवक आग में झुलसा

सूरत।

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर हर गली मुहल्ले और घर-घर में विघ्नहर्ता का आगमन हो गया है और अगले 10 दिनों को भक्तिभाव से इनकी पूजा-अर्चना की जाएगी। सूरत में श्री गणेश जी शोभा यात्रा के दौरान चौंकाने वाली एक घटना सामने आई है, जिसमें स्टंट कर रहा एक युवक आग की लपटों में घिर गया। इस घटना में युवक बुरी तरह झुलस गया। घटना सूरत के पर्वत पाटिया क्षेत्र की है। सूरत के पर्वत पाटिया क्षेत्र में श्री गणेश की आगमन यात्रा में एक युवक आग के साथ स्टंट कर रहा था। मुंह में ज्वलनशील प्रवाही भर कर आग पर फूंक रहा था। स्टंट के दौरान अचानक युवक आग की चपेट में आ गया। कुछ देर के लिए यात्रा में शामिल लोग भी समझ नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है? युवक के शरीर को आग की लपटों में घिरा देख लोगों में अफरातफरी मच गई। दूसरी आग की लपटों से घिरे युवक ने अपनी शर्ट उतारी और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग की इस घटना में युवक बुरी तरह झुलस गया।

बेलगाम रोडवेज की 11 वाहनों को अपनी चपेट में लिया

कच्छ। कच्छ में रोडवेज की एक बेलगाम बस ने एक के बाद एक 11 वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया, इस घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई। जबकि 15 से ज्यादा घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना कच्छ जिले के कुकमा गांव के बस स्टेन्ड के निकट हुई। जिसमें रोडवेज बस के ड्राइवर ने एक के बाद एक 11 जितने वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। बस की चपेट में आए एक बाइक सवार की मौत हो गई। जबकि 15 लोग

घायल हो गए, जिन्हें एम्ब्युलैंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना में 6 ऑटो रिक्शा, दो कार, तीन मोटर साइकिल को नुकसान पहुंचा है। बेकाबू बस ने वाहनों को ही नहीं पांच से ज्यादा दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है कि आखिर कैसे यह घटना हुई। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक रोडवेज के बस ड्राइवर ने अचानक स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और बेकाबू बस ने एक के बाद एक वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। वाहनों को टक्कर मारने के बाद रोडवेज की बस निकट की दुकानों में घुस गई। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और घटना के कारणों की जांच शुरू की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)